संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, शनिवार, 17 फरवरी 2024 ₹ 2 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 15 अंक: 47 पृष्ठ: 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

16वें नेशनल यूथ पार्लियामेंट कॉम्पटीशन के विजेताओं संग ग्रुप फोटो में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल।

झूठ व धोखेबाजी के कारण ही कांग्रेस को देश ने नकार दिया

नरेंद्र मोदी ने रेवाड़ी में पूर्व सैनिकों को दी गई वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) की गारंटी का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने ओआरओपी के लिए 500 करोड़ रुपये का बजट रखकर वन रैंक वन पेंशन लागू करने का झूठ बोलने का काम किया था। हमने सत्ता में आते ही ओआरओपी को लागू किया और अभी तक पूर्व सैनिकों को करीब 1 लाख करोड़ रुपये मिल चुके हैं, जिसमें हरियाणा के भी पूर्व सैनिक लाभान्वित हुए हैं। जिला रेवाड़ी में ही इस योजना के तहत सैनिक परिवारों को 600 करोड़ रुपये से ज्यादा मिले हैं। उन्होंने कहा कि जितना पैसा रेवाड़ी के सैनिक परिवारों को मिला है, कांग्रेस ने उससे भी कम यानि 500 करोड़ रुपये पूरे देश के पूर्व सैनिकों के लिए बजट रखा था। ऐसे ही झूठ व धोखेबाजी के कारण ही कांग्रेस को देश ने नकार दिया।

हरियाणा में हर जिले में मेडिकल कॉलेज हो रहा स्थापित

नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज रेवाड़ी में देश के 22वें एम्स का शिलान्यास किया है और इसका लोकार्पण भी हम ही करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश में 15 नये एम्स स्वीकृत किए जा चुके हैं। आजादी के बाद से 2014 तक देश में करीब 380 मेडिकल कॉलेज बने थे, जबकि पिछले 10 वर्षों में 300 से अधिक नए मेडिकल कॉलेज बन चुके हैं। हरियाणा में भी हर जिले में कम से कम एक मेडिकल कॉलेज बनाने का काम तेजी से चल रहा है।

कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड एक परिवार के हित को देश और देशवासियों के हित से ऊपर रखना: नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का ट्रैक रिकॉर्ड देश की आधी से अधिक आबादी को दशकों तक छोटी छोटी जरूरतों से दूर रखना, एक परिवार के हित को देश और देशवासियों के हित से ऊपर रखना, इतिहास के सबसे बड़े घोटालों, आतंकवाद और अलगाववाद को बढ़ावा देना तथा सेना व सैनिक को कमजोर करने का रहा है। आज भी कांग्रेस की टीम वही है, नेता व नीयत भी वही है, उन सब की निष्ठा एक ही परिवार के लिए है, तो निति भी वही होगी, जिसमें लूट, भ्रष्टाचार व बर्बादी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सोचती है कि सत्ता में रहना उनका जन्मसिद्ध अधिकार है। जब से गरीब का ये बेटा पीएम बना है, वे एक के बाद एक मेरे खिलाफ साजिशें करते जा रहे हैं। जितना ज्यादा कांग्रेस साजिश करती है, उतना ही ज्यादा जनता मुझे मजबूत करती है।

आदर्श विचार

"शिक्षा और ज्ञान उसी को मिलता है जिसमें जिज्ञासा होती है।" भागवद्

मन की बात

"दिल और दिमाग के टकराव में दिल की सुनो।" स्वामी विवेकानंद

हरियाणा को पीएम मोदी ने दी सौगात

हरियाणा की डबल इंजन सरकार विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध, गरीब कल्याण की योजनाएं को लागू करने में हरियाणा अव्वल: मोदी

डबल इंजन

8 हरियाणा निवेश के लिए उत्तम राज्य के रूप में उभर रहा है और निवेश बढ़ने से नौकरियों में वृद्धि होगी

टीम एक्शन इंडिया/चंडीगढ़ /दीपिका शर्मा

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेवाड़ी की वीर धरा पर हरियाणा की जनता से आने वाले वर्षों में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनाने के लिए अपना सहयोग देने का आह्वान किया। उन्होंने हरियाणा को अद्भुत संभावनाओं का राज्य बताते हुए कहा कि हरियाणा निवेश के लिए उत्तम राज्य के रूप में उभर रहा है और निवेश बढ़ने से नौकरियों के अवसरों में भी वृद्धि होगी। डबल इंजन की सरकार विकसित हरियाणा बनाने में जुटी है, जिससे आज की युवा पीढ़ी का भविष्य उज्जवल होने वाला है। टेक्नोलॉजी से टेक्सटाइल और टूरिज्म से ट्रेड तक राज्य में हर क्षेत्र में नए अवसर बढ़ने से युवाओं को रोजगार व स्व रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री जिला रेवाड़ी में आयोजित कार्यकर्म में एम्स व अन्य परियोजनाओं के उद्घाटन व शिलान्यास करने उपरांत समारोह में उपस्थित जन समूह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री मनोहर लाल सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। नरेंद्र मोदी ने कहा कि वर्ष 2013 में जब भारतीय जनता पार्टी ने मुझे पीएम के उम्मीदवार के रूप में घोषित किया था, तो मेरा पहला कार्यक्रम रेवाड़ी में हुआ था। उस समय रेवाड़ी ने 272 पार का आशीर्वाद दिया था, जो मेरे लिये सिद्धि बन गया। अब जनता कह रही है कि फिर एक बार रेवाड़ी आया हूँ तो आपका आशीर्वाद मिलेगा और अब की बार एनडीए सरकार 400 पार।

केंद्र की हरियाणा से जो भी अपेक्षाएं हैं, उसे हम पूरा करेंगे: मनोहर लाल

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश की जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है, जब देश के 22वें एम्स का यहां शिलान्यास हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 में प्रधानमंत्री जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, उस समय देश की जनता उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में देख रही थी, उनकी प्रधानमंत्री की वो यात्रा 15 सितंबर, 2013 को रेवाड़ी की धरा से ही आरंभ हुई थी।

लोकतंत्र में सीटों के महत्त्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि उनके लिए जनता जनार्दन का आशीर्वाद ही सबसे बड़ी पूंजी है। आज पूरी दुनिया में भारत नई ऊँचाई पर पहुंचा है, ये जनता के आशीर्वाद के कारण ही संभव हुआ है। जिस प्रकार आज दुनिया में भारत को सम्मान मिलता है, वह मोदी का सम्मान नहीं, बल्कि हर भारतीय का सम्मान है। भारत का तिरंगा चंद्रमा पर वहाँ पहुंचा, जहाँ कोई नहीं पहुँच सका। पिछले 10 वर्षों में भारत 11 वें नंबर से ऊपर उठकर पांचवें नंबर की आर्थिक महाशक्ति बना है, ये भी जनता के आशीर्वाद से हुआ है और अब अगली टर्म में जनता के आशीर्वाद से भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनाना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए हरियाणा का विकसित होना भी बहुत जरूरी है और इसी कड़ी में आज हरियाणा के लिए लगभग 10 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया है। इन परियोजनाओं में कृष्णा सर्किट योजना के तहत ज्योतिसर में बना अनुभव केंद्र भी शामिल है।

भाजपा के अधिवेशन में छाया रहेगा राम मंदिर

नई दिल्ली: लोकसभा चुनाव के ठीक पहले होने जा रहे भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में मोदी सरकार की 10 साल की उपलब्धियों के साथ ही अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का मुद्दा छाया रहेगा। भारत मंडपम में होने जा रहे अधिवेशन में पार्टी अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अलग से प्रस्ताव पारित कर सकती है वहीं, शनिवार को अधिवेशन शुरू होने के एक दिन पहले ही पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 10 साल की मोदी सरकार की उपलब्धियों पर गैलरी का उद्घाटन कर साफ कर दिया कि देश भर से आए पार्टी पदाधिकारियों की बैठक में चर्चा का यह अहम मुद्दा रहेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में भाजपा के अकेले 370 सीटें जीतने का लक्ष्य दिया है। इस लक्ष्य को हासिल करने में मोदी सरकार की 10 साल की उपलब्धियां और खासकर गरीब कल्याण योजनाओं की अहम भूमिका होगी। 11 हजार से अधिक प्रतिनिधियों को इन उपलब्धियों को बूथ स्तर तक ले जाने के मंत्र दिये जा सकते हैं।

'किसानों की समस्याओं से केंद्र को सरोकार नहीं'

टीम एक्शन इंडिया/चंदौली/वाराणसी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को केंद्र की मोदी सरकार को महंगाई, बेरोजगारी और किसानों के मुद्दे पर जमकर घेरा। राहुल ने कहा कि देश में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। किसानों की भूमि छीनी जा रही है, लेकिन सच दिखाने वाला कोई नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार का गरीब और किसानों की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है। राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में पहुंचने पर सैयदराजा नेशनल इंटर कॉलेज के मैदान में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस समय देश में दो तरह की विचारधारा है। एक भाई को भाई से जोड़ती है और एक भाई से भाई की नफरत कराती है। इस यात्रा के जरिए नफरत के बाजार में वह मोहब्बत की दुकान खोलने आए हूं।

साधा निशाना

8 राहुल ने कहा कि देश में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। किसानों की भूमि छीनी जा रही है

इस यात्रा के जरिए हमने कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक मोहब्बत की दुकानें खोली हैं। उन्होंने कहा कि हम भाषण नहीं देते, आपसे 7-8 घंटे मिलते हैं, आपका दुःख दर्द सुनते हैं फिर आखिर में 15 मिनट बोलते हैं। राहुल अपनी जनसभा में पार्टी कार्यकताओं के साथ गठबंधन दल के कार्यकताओं की भीड़ देख उत्साहित नजर आए। उन्होंने कहा कि बॉर्डर पर आते ही पता चल गया कि उत्तर प्रदेश में आ गए हैं।

तीसरी आंख

एसटीएफ के हत्थे चढ़ा टाइम बम बनाने में माहिर युवक, चार बम बरामद

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने मुजफ्फरनगर जनपद के शहर कोतवाली क्षेत्र में स्थित खालापार मोहल्ले से शुक्रवार को एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से चार टाइम बम बरामद किया है। बरामद बमों को निष्क्रिय करने के लिए मेरठ से बम निरोधक दस्ते को भी मौके पर बुलाया है। एसटीएफ के पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित का नाम जावेद है। उसके पास से चार टाइम बोतल बम (आईईडी) बरामद किए गए हैं। एसटीएफ की टीम आरोपी से पूछताछ करने में जुटी है, इन बमों का इस्तेमाल किसी सुनियोजित षड्यंत्र में किया जाना था। जावेद ने पूछताछ में कबूल किया है कि यह बम खालापार इलाके में ही रहने वाली एक महिला ने ऑर्डर देकर बनवाए थे। टीम महिला की तलाश में जुटी है। इससे पूर्व जावेद टाइम बम बना चुका था। पूछताछ में यह जानकारी मिली है कि आरोपी का ननिहाल नेपाल में है।

चुनाव में काले धन के इस्तेमाल की बढ़ी आशंका के मद्देनजर चुनाव आयोग सतर्क

नई दिल्ली। चुनावी बॉन्ड को सुप्रीम कोर्ट की तरफ से असंवैधानिक करार दिए जाने के बाद अब सत्ता के गलियारे में इस बार के चुनाव में काले धन का इस्तेमाल बढ़ने की चर्चा शुरू हो गई है। अटकल लगाई जा रही है कि वर्ष 2017 से पहले जिस प्रकार से चुनाव के दौरान काले धन का इस्तेमाल होता था, वह व्यवस्था फिर से वापस आ सकती है। दरअसल पूर्व की तरह चंदा का 80-90 फीसद फिर से अनाम स्रोत से ही आएगा।

सख्ती पार्टी ने कहा था- ना बिजली बिल भर पा रहे, ना कर्मचारियों को सैलरी दे पा रहे

कांग्रेस के फ्रीज खातों से रोक हटी

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल ने शुक्रवार को दोपहर 12.30 बजे कांग्रेस के फ्रीज खातों पर लगी रोक हटा दी है। एक घंटे पहले कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि पार्टी के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया। कांग्रेस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय माकन ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि इनकम टैक्स ने यूथ कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी से 210 करोड़ रुपए की रिकवरी मांगी है। माकन ने कहा- हमें गुरुवार को जानकारी मिली कि बैंकों ने पार्टी के द्वारा जारी किए गए चेक रोक दिए हैं। वे हमारे चेक क्लियर नहीं कर रहे। कांग्रेस पार्टी के खाते भी फ्रीज कर दिए गए हैं। इसके अलावा क्राउड फंडिंग वाले अकाउंट को भी फ्रीज कर दिया गया है। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने कहा- अभी हमारे पास बिजली का बिल भरने के लिए और अपने कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पैसे नहीं हैं। अकाउंट फ्रीज होने के कारण न केवल भारत जोड़ो न्याय यात्रा, बल्कि पार्टी की सभी राजनीतिक गतिविधियां प्रभावित होंगी। यह लोकतंत्र को फ्रीज करने जैसा है।

क्राउड फंडिंग

8 इनकम टैक्स ने यूथ कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी से 210 करोड़ रुपए की रिकवरी मांगी है

आप लोगों को आज सुबह-सुबह बहुत ही चिंताजनक और निराशाजनक खबर शेयर करने के लिए बुलाया है। आप लोगों को जानकर आश्चर्य होगा और सही मायने में दुख भी होगा। हिन्दुस्तान के अंदर लोकतंत्र पूरी तरह से खत्म हो गया है।

खेल इंफ्रास्ट्रक्चर और खेल सुविधाओं के विकास पर दिया जाए ध्यान: मुख्य सचिव

मांग

8 कुंभ के दौरान ललतारो पुल क्षेत्र से हटाए गए खोखा पटरी व्यापारियों के लिए स्थाई जगह की मांग की है।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने शुक्रवार को सचिवालय में 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए गठित उच्चाधिकार समिति (एचपीसी) की बैठक ली। बैठक में उन्होंने खेल इंफ्रास्ट्रक्चर और खेल सुविधाओं के विकास पर विशेष जोर दिया। उन्होंने राज्य में विश्व स्तरीय खेल सुविधाएं निर्धारित समय-सीमा में विकसित करने के निर्देश दिये।
बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि उत्तराखंड में प्रस्तावित 38वें राष्ट्रीय खेलों के इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास से संबंधित 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। राष्ट्रीय खेलों का आयोजन उत्तराखंड को ग्रीन स्पोर्ट्स और ग्रीन टूरिज्म के विश्व स्तरीय मेजबान के रूप में स्थापित करने का स्वर्णिम अवसर है। उन्होंने कहा कि खेल सुविधाओं का विकास इस प्रकार किया जाना चाहिए, ताकि राज्य के खिलाड़ी एवं युवा भविष्य में लम्बी अवधि तक इन सुविधाओं का लाभ उठा सकें।
प्रस्तावित राष्ट्रीय खेलों को ग्रीन नेशनल गेम्स के रूप में आयोजित करने की अवधारणा पर बल देते हुए मुख्य सचिव ने रिसाइकल्ड मेडल के उपयोग के निर्देश दिए। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों से अनुरोध किया कि विभिन्न अवसरों पर अधिकारियों को मिलने वाले स्मृति चिन्ह इस कार्य के लिए दान किये जा सकते हैं।
मुख्य सचिव ने प्रस्तावित राष्ट्रीय खेलों के स्टेडियम एवं खेल स्थलों को ग्रीन कॉन्सेप्ट और सेल्फ सस्टेनबल की अवधारणा पर विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्टेडियम और खेल स्थलों पर उरेडा के सहयोग से सोलर लाइट आदि की व्यवस्था करने को कहा।
मुख्य सचिव ने राष्ट्रीय खेलों के दृष्टिगत सड़कों के सुधार और मजबूती के लिए इस संबंध में लोक निमार्ण विभाग व अन्य संबंधित विभागों के साथ एक बैठक तत्काल आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के दौरान इंटरनेट सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।
बैठक में खेल व युवा कल्याण के विशेष प्रमुख सचिव अमित सिन्हा, सचिव शैलेश बगौली सहित खेल विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कुंभ 2010 के दौरान हटाए गए व्यापारियों के लिए स्थाई जगह की मांग

मांग

8 कुंभ के दौरान ललतारो पुल क्षेत्र से हटाए गए खोखा पटरी व्यापारियों के लिए स्थाई जगह की मांग की है।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
लघु व्यापार संगठन ने वर्ष 2010 के कुंभ के दौरान ललतारो पुल क्षेत्र से हटाए गए खोखा पटरी व्यापारियों के लिए स्थाई जगह की मांग की है। साथ ही संगठन का विलय प्रांतीय संगठन लघु व्यापार एसोसिएशन में करने की घोषणा की।
एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने संगठन का विस्तार करते हुए ललतारो पुल इकाई का गठन कर अध्यक्ष सुनील कुकरेती, महामंत्री रिंकू यादव, कोषाध्यक्ष फूल सिंह, उपाध्यक्ष किरण देवी, मीडिया प्रभारी, संगठन मंत्री राधा कृष्ण, संरक्षक गजेंद्र सिंह, सदस्य रजनी तोमर, संजय चौहान, अर्चना देवी, प्राची संगीता देवी, बबलू तोमर, राजेंद्र कुमार, चुन्नीलाल को चुना है।
चोपड़ा ने कहा कि 2010 के कुंभ के दौरान ललतारो पुल की खोखा मार्केट को मेला प्रशासन द्वारा अतिक्रमण के नाम पर हटा दिया गया था। 14 साल बीत जाने के बाद आज तक जिला प्रशासन द्वारा ललतारो पुल खोखा मार्केट के लघु व्यापारियों को कोई विकल्प नहीं दिया गया है जो कि न्याय पूर्ण नहीं है। उन्होंने कहा कि ललतारो पुल पार्क की खाली पड़ी जगह पर 2010 के हटाए गए लघु व्यापारियों को स्थाई रूप से मार्केट के रूप में व्यवस्थित किए जाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल से मुलाकात की जाएगी।

लोकसभा चुनाव को लेकर बरतें सतर्कता, हर गतिविधियों पर रखें नजर : सोनिका

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
जिला निर्वाचन अधिकारी सोनिका ने कलेक्ट्रेट में गुरुवार को लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 की तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों संग बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।
जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित किया कि निर्वाचन कार्यों के लिए सभी तैयारियां समयबद्ध पूर्ण कर ली जाएं। कार्मिकों के प्रशिक्षण के लिए समय सारणी बनाएं। जिन क्षेत्रों पूर्व के चुनाव में नकदी, शराब बरामद हुई तथा अन्य गतिविधियां पाई गई हैं, ऐसी जगह पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनपद की

सीमा पर सतर्कता के साथ चेकिंग करें, ताकि किसी प्रकार के मादक पदार्थ एवं अन्य अवांछित वस्तुओं का परिवहन न हो सके। इसके लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। साथ ही समस्त सहायक रिटर्निंग अधिकारियों सहित संबंधित अधिकारियों को कलेंडरवार मतदाता जागरुकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिए।

गैस रिसाव की खबर पर डीएम ने लिया संज्ञान, पता चला पुलिस का मॉकड्रिल

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
देहरादून पुलिस लाइन में क्लोरीन गैस रिसाव की घटना नहीं हुई है, बल्कि यहां मॉक ड्रिल की जा रही थी। पुलिस लाइन में क्लोरीन गैस रिसाव की सोशल मीडिया पर चल रही खबरों पर जब जिलाधिकारी सोनिका ने संज्ञान लिया तो पता चला गैस रिसाव की तैयारी को लेकर मॉक ड्रिल किया जा रहा है।
जिलाधिकारी सोनिका ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रामजी शरण को निर्देशित किया कि आपदा कंट्रोल रूम से तत्काल प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए कार्रवाई करें। इस पर आपदा कंट्रोल रूम से मालूम करने पर ज्ञात हुआ कि पुलिस

लाइन में गैस रिसाव से निपटने की तैयारी को लेकर मॉक ड्रिल किया जा रहा है।
उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि यह एक मार्क ड्रिल अभ्यास है। पुलिस प्रशासन की ओर से आपदा से निपटने के लिए अभ्यास किया जा रहा है।

गैंगस्टर एक्ट में फरार आरोपित गिरफ्तार

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
हरिद्वार पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित गैंग के साथ अपराधों को अंजाम देता था।
जानकारी के मुताबिक जनपद के बुग्गावाला थाना क्षेत्र में बार-बार गैंग बनाकर अपराध करने वाले अपराधियों को चिन्हित कर पुलिस ने जाविद, राकिब उर्फ राका व नावेद के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा दर्ज किया था। गैंग लीडर जाविद की गिरफ्तारी पूर्व में ही हो चुकी है। अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के प्रयास में पुलिस जुटी हुई थी। पुलिस ने शुक्रवार को आरोपित नावेद पुत्र सबदर निवासी गोकुलवाला

थाना बुग्गावाला को ग्राम गोकुलवाला से धर दबोचा।

हल्द्वानी हिंसा के मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक और उसके बेटे मोईद की सम्पत्ति कुर्की की कार्रवाई शुरू

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
कोर्ट से संपत्ति कुर्की का आदेश मिलने के बाद पुलिस ने हल्द्वानी हिंसा के मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक और उसके बेटे मोईद की नामी और बेनामी संपत्ति के चिह्नीकरण व आकलन का काम शुरू कर दिया है। दोनों की नामी व बेनामी संपत्ति की तलाश उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और हरियाणा में की जाएगी।
हिंसा के मास्टरमाइंड बताए गए मलिक और उसके बेटे मोईद सहित कोर्ट ने उपद्रव के नौ आरोपितों की संपत्ति कुर्की के आदेश बुधवार को दिए थे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मलिक व उसके बेटे की करोड़ों की संपत्ति होने की आशंका है।
मलिक बनभूलपुरा का रहने वाला है। इसके अलावा उप्र से वह लंबे समय से कारोबार के लिहाज से जुड़ा है। 2004 में बसपा से मलिक ने हरियाणा की फरीदाबाद संसदीय सीट से चुनाव लड़ा था। इसके आधार पर उसकी तीन राज्यों में काफी संपत्ति होने की बात कही जा रही है। हल्द्वानी में भी जेसीबी की एजेंसी और बड़े स्तर पर प्लॉटिंग आदि काम वह करता रहा है। सूत्रों की मानें तो मलिक के पास नामी से ज्यादा बेनामी संपत्ति है। नैनीताल पुलिस ने बाप-बेटे की संपत्ति चिह्नीकरण और कीमत आकलन के लिए टीमें लगा दी हैं। सभी कार्रवाई पूरी कर टीमें इनपुट के आधार पर दूसरे राज्यों में भी पहुंचेगी। इसके साथ ही पुलिस मलिक के करीबियों, रिश्तेदारों और परिचितों की भी जांच करेगी, ताकि उसकी बेनामी संपत्ति का पता चल सके। वहीं फरार चल रहे बाकी के आठ नामजदों की भी संपत्ति जल्द चिह्नित कर कार्रवाई को आगे बढ़ाया जाएगा।एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा ने बताया कि चिह्नीकरण का काम शुरू हो चुका है। रिपोर्ट पूरी होते ही कुर्की की कार्रवाई की जाएगी।

बनभूलपुरा में हिंसा के बाद धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हालात, कर्फ्यू में सशर्त छूट

सख्त पहरा

8 हालांकि किसी को भी क्षेत्र से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। पुलिस और पैरा-मिलिट्री फोर्स का सख्त पहरा है।

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
हल्द्वानी के बनभूलपुरा में हिंसा के बाद हालात धीरे-धीरे सामान्य होने लगे हैं। बनभूलपुरा में कर्फ्यू में ढील दी गई है। हालांकि किसी को भी क्षेत्र से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। पुलिस और पैरा-मिलिट्री फोर्स का सख्त पहरा है।
जिलाधिकारी वंदना सिंह ने कर्फ्यू ग्रस्त क्षेत्र का दौरा कर लोगों को कुछ राहत देने का फैसला लिया है।जिलाधिकारी ने शांति

व्यवस्था में सुधार को देखते हुए बनभूलपुरा के कर्फ्यू प्रभावित क्षेत्र में स्थित गौजाजाली, रेलवे बाजार, एफसीआई गोदाम क्षेत्र में सुबह 8 से शाम 4 बजे तक कर्फ्यू में 8 घंटे की छूट दी है, जबकि शेष बनभूलपुरा में सुबह 8 से 11 बजे तक कर्फ्यू में 3 घंटे छूट देने का आदेश जारी किया है। यह आदेश शुक्रवार (16 फरवरी) सुबह 5 बजे से अगले आदेश तक लागू रहेगा।
जिलाधिकारी के जारी आदेश के मुताबिक बनभूलपुरा में 16 फरवरी को सुबह 5 बजे से कर्फ्यू में छूट दिए जाने का आदेश लागू होगा। इसके तहत गौजाजाली, रेलवे बाजार, एफसीआई गोदाम क्षेत्र में सुबह 8 से 4 बजे तक कर्फ्यू में 8 घंटे की छूट रहेगी।
शेष बनभूलपुरा में सुबह 8 से 11 बजे तक कर्फ्यू में छूट रहेगी। कर्फ्यू में छूट के दौरान क्षेत्र में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति से जुड़े प्रतिष्ठान और दुकानें खुली रहेंगी। इस दौरान आम लोग आवश्यक वस्तुओं की खरीद के लिए दुकानों तक आ-जा सकेंगे। अनावश्यक आवागमन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। क्षेत्र के लोगों के लिए यह छूट सिर्फ कर्फ्यू ग्रस्त क्षेत्र में ही आवागमन पर लागू होगी। क्षेत्र के लोग कर्फ्यू वाले क्षेत्र से बाहर आ-जा नहीं सकेंगे। कर्फ्यू में छूट के तहत छात्र-छात्राएं परीक्षा देने के लिए क्षेत्र से परीक्षा केंद्र तक आ-जा सकेंगी। साथ ही क्षेत्र में निवासरत कर्मचारी भी ड्यूटी पर जा सकेंगे। क्षेत्र में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति करने वाले वाहन भी मजिस्ट्रेट के पास के बाद ही क्षेत्र में जा सकेंगे।
आदेश का उल्लंघन करने पर लोगों के खिलाफ धारा-188 के तहत कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने प्रशासनिक अधिकारियों को लाउडस्पीकर से क्षेत्र में इस आदेश का प्रचार करने के आदेश दिए हैं। साथ आदेश की प्रति को कर्फ्यू वाले क्षेत्र में सार्वजनिक स्थलों पर चस्पा करने के आदेश भी दिए गए हैं।

चुनावी बांड योजना सरकार के भ्रष्टाचार का नमूना : माहरा

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
चुनावी बॉन्ड योजना को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया है। इसके बाद से विपक्ष के नेता लगातार केंद्र सरकार पर हमला बोल रहे हैं। इसी कड़ी में प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष करन माहरा ने चुनावी बांड योजना को भाजपा सरकार के महाभ्रष्टाचार का नमूना बताया और कहा कि यह असंवैधानिक है। किसी भी योजना में पारदर्शिता के बिना स्वस्थ और स्वतंत्र लोकतंत्र की कल्पना भी नहीं की जा सकती है।
प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने जारी एक बयान में कहा कि

कांग्रेस भाजपा की इस कुटिल चाल के खिलाफ संसद के भीतर और बाहर लगातार अपनी लड़ाई

का-

8 किसी भी योजना में पारदर्शिता के बिना स्वस्थ और स्वतंत्र लोकतंत्र की कल्पना भी नहीं की जा सकती है।

लडती रही है। पार्टी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करती है। माहरा ने कहा कि चुनावी बांड योजना कुछ और नहीं बल्कि सत्तारूढ़ भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए डिजाइन की गई योजना थी। इस प्रकार की असंवैधानिक योजना को लोकतंत्र में उचित नहीं ठहराया जा सकता है।
माहरा ने कहा कि चुनावी बांड योजना के तहत वर्ष 2018 में जो 222 करोड़ रुपये के बांड खरीदे गये, इनमें 95 प्रतिशत भारतीय जनता पार्टी के पास गये।
यही नहीं प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा एसबीआई को अवैध विंडो में बेचे गये समाप्त हो चुके चुनावी बांड स्वीकार करने का भी दबाव डाला गया। माहरा ने चुनावी बांड योजना की जांच ईडी और सीबीआई से कराने की मांग की।

उत्तराखंड में फिर बिगड़ेगा मौसम, बारिश और बर्फबारी को लेकर आरेंज अलर्ट

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड में मौसम बदलने के आसार हैं। यहां कई क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। इसे लेकर आरेंज अलर्ट जारी किया गया है।
मौसम विभाग के अनुसार हिमालय क्षेत्रों में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण प्रदेश में मौसम का मिजाज बदलने की उम्मीद है। पर्वतीय क्षेत्रों में बादल मंडरा रहे हैं। उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर तथा पिथौरागढ़ जनपदों के 3500 मीटर व उससे अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है। निचले इलाकों में भी बादल मंडराने के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

मौसम

8 मौसम बदलने के आसार हैं। यहां कई क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है।

मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के निदेशक विक्रम सिंह के अनुसार 18 फरवरी को मौसम के करवट बदलने की उम्मीद है। चोटियों पर भारी हिमपात की चेतावनी जारी की गई है।
निचले क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी संभव है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 24 तो न्यूनतम तापमान 11 सेल्सियस दर्ज किया गया। दोपहर में चटख धूप खिली रही, जबकि सुबह-शाम ठंड बरकरार है।

मानदेय बढ़ोतरी को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

मांग पत्र

8 आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने अपनी मागों को लेकर प्रधानमंत्री को संबोधित डीएम को मांग पत्र सौंपा।

उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया
आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सेविका मिनी कर्मचारी संगठन ने मानदेय बढ़ोतरी की मांग को लेकर जिला मुख्यालय में शुक्रवार को धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने अपनी मागों को लेकर प्रधानमंत्री को संबोधित डीएम को मांग पत्र सौंपा।
शुक्रवार को तय कार्यक्रम अनुसार आंगनबाडी कार्यकर्ता बाबा

कालीकमली धर्मशाला में एकत्रित हुए। बाद में अपनी मांगों को लेकर मुख्य बाजार से नारेबाजी व प्रर्दशन करते जिला कलेक्टर पहुंचे। कलेक्ट्रेट में सांकेतिक रूप से धरना देकर सभी कार्यकताओं ने एक स्वर में कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता लगातार सरकार से मानदेय बढ़ाने की मांग करती आ रही हैं, लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हो सकी है।
उन्होंने कहा कि न्यूनतम मजदूरी को देखते हुए छह सौ रुपये प्रतिदिन के हिसाब से 18 हजार मानदेय किया जाए और वरिष्ठता के आधार पर 15 वर्ष पूरे होने पर प्रतिवर्ष सबका मानदेय बढ़ा दिया जाए। आंगनबाड़ी कार्यकताओं को रिटायरमेंट होने पर दो लाख रुपये देने का प्रावधान रखा जाए, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके। इसी के साथ आंगनबाड़ी कार्यकताओं को गोल्डन कार्ड जारी किए जाएं। उन्होंने कहा कि सरकार महिला सशक्तिकरण की बात तो रही है, लेकिन आंगनबाड़ी कार्यकताओं की मांगों को अनदेखा कर रही है।

घर से भागे नाबालिक को चंडीगढ़ से ढूंढ लाई पुलिस

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
पैसे कमाने की चाहत लेकर घर से भागे एक नाबालिक को पुलिस चंडीगढ़ से ढूंढ कर लाई है। पुलिस ने नाबालिक को परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।17 जून 2023 को रुड़की निवासी इनाम ने अपने 14 वर्षीय नाबालिक बेटे के घर से कहीं चले जाने के संबंध में तहरीर देकर उसको ढूंढने की गुहार लगाई थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर नाबालिक की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों को चेक कर मोबाइल सर्विलांस का उपयोग करते हुए नाबालिक को चंडीगढ़ के जीरकपुर से सकुशल बरामद कर लिया।

ऋषिकेश एम्स में कार्यशाला का आयोजन

कार्यशाला

8 कार्यशाला का उद्देश्य आयुष्मान भारत स्वास्थ्य केंद्रों के मूल्यांकन के निष्कर्षों को साझा करना था।

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
ऋषिकेश एम्स के सामुदायिक और पारिवारिक चिकित्सा विभाग के तत्वावधान में शुक्रवार को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित अल्पकालिक अनुभवजन्य परियोजना 2023-24 के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य आयुष्मान भारत स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों के मूल्यांकन के निष्कर्षों को साझा करना था।
कार्यशाला का बतौर मुख्य अतिथि संस्थान की कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ प्रोफेसर डॉ. मीनू सिंह एवं विभागाध्यक्ष सीएफएम प्रोफेसर वर्तिका सक्सेना ने व उद्घाटन किया। इस अवसर पर डॉ मीनू सिंह ने नीतिगत सुधारों और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य स्वास्थ्य विभाग के साथ एक सहयोगी टीम वर्क विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के साथ-साथ अन्य राज्यों में भी इस तरह के अध्ययन आयोजित करने की आवश्यकता है।
एम्स सीएमएफ विभाग से कार्यक्रम समन्वयक डॉ. रंजीता कुमारी ने परियोजना के बारे में जानकारी दी और बताया कि यह अध्ययन दो राज्यों, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में आयोजित किया गया था। प्रत्येक राज्य से दो जिलों (क्रमशः हरिद्वार और रायबरेली) को चुना गया था, जिसके तहत प्रत्येक जिले से एक ब्लॉक का चयन किया गया। अध्ययन के तहत कुल 22 एबी-एचडब्ल्यूसी केंद्रों का मूल्यांकन किया गया। जिसमें हरिद्वार से 12 और रायबरेली से 10 केंद्र शामिल हैं।
कार्यशाला में लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें सीएमओ कार्यालय के प्रतिनिधि, आशा, एएनएम, ब्लॉक बहादराबाद के सीएचओ शामिल थे।

विभिन्न मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

ज्ञापन

8 प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों को लेकर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा।

गोपेश्वर/टीम एक्शन इंडिया
संयुक्त किसान मोर्चा और संयुक्त ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर शुक्रवार को भोजन माता, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकताओं और किसानों ने अपनी मांगों को लेकर जुलूस प्रदर्शन कर चमोली जिलाधिकारी हिमांशु खुराना के कार्यालय परिसर पर धरना दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगों को लेकर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा।
प्रदर्शन कर रहे सीटू के अध्यक्ष मदन मिश्रा, सचिव मनमोहन रौतेला, किसान यूनियन अध्यक्ष बस्ती लाल, सचिव ज्ञानेंद्र खंतवाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार की मजदूर, किसान विरोधी नीति के चलते पूरे देश में गहरा संकट पैदा हो गया है। मंहगाई के चलते आम आदमी का जीना दूभर हो गया है। उन्होंने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा और संयुक्त ट्रेड यूनियन के आह्वान पर शुक्रवार को राष्ट्र व्यापी हड़ताल की गई है। हड़ताल के माध्यम से राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा गया है। ज्ञापन में किसानों के ऋण माफ किया जाए, आंगनबाडी, आशा, भोजन माताओं को राज्य कर्मचारी घोषित किया जाए तथा राज्य कर्मचारी घोषित किये जाने तक न्यूनतम वेतन दिया जाए, सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों से आवश्यक वस्तुओं को कम दामों पर दिया जाए, सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण न किया जाए,
भूमिहीनों को जमीन और भवन बना कर दिए जाए, जंगली जानवरों से फसलों को होने वाले नुकसान की भरपाई की जाए।

संक्षिप्त खबरें

अमेजन के प्रोपेल स्टार्टअप एक्सेलेरेटर सीजन-3 के विजेता रहे मिराना टॉयज, अविमी हर्बल और पर्फोरा

देहरादून। अमेजन इंडिया ने मिराना टॉयज, अविमी हर्बल, पर्फोरा को अमेजन ग्लोबल सेलिंग प्रोपेल स्टार्टअप एक्सेलेरेटर (प्रोपेल एक्सेलेरेटर सीजन-3 का विजेता घोषित किया। विजेताओं को अमेजन से कुल मिलाकर 1 लाख डॉलर का ग्रांट मिला। मिराना टॉयज, ऐप-नियंत्रित ऑग्मेंटेड रियलिटी गेम्स के जरिये से डिजिटल और फिजिकल खेल को जोड़ता है और इनोवेटिव स्मार्ट खिलौनों की एक श्रृंखला प्रदान करता है। अविमी हर्बल, जिसकी स्थापना 85 वर्षीय राधा कृष्ण चौधरी उर्फ नानाजी ने की थी, वह आयुर्वेद पर आधारित एक हेयर केयर सॉल्यूशन ब्रांड है, जो रोजमर्रा की बालों की समस्याओं के लिए प्रभावी, सदियों पुराने उपचार पेश करता है। पर्फोरा स्वच्छ सामग्री और अच्छे डिजाइन के साथ ओरल देखभाल को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है। यह भारत का पहला मेड-सेफ प्रमाणित ओरल स्वास्थ्य (ओरल हेल्थ) ब्रांड है और 1 प्रतिशत फॉर द प्लेनेट समुदाय का सदस्य है।
प्रोपेल एक्सेलेरेटर सीजन-3 को मार्च 2023 में फर्म एक्सेल, अमेजन संभव वेंचर फंड, डीएसजी कंज्यूमर पार्टनर्स, फायरसाइड वेंचर्स, पीक एक्सवी, वी3 वेंचर्स जैसी उद्यम पूंजी (वीसी-वेंचर कैपिटलिस्ट) कंपनियों सहित क्लब और वेलोसिटी आय (रेवेन्यू)-आधारित-फाइनेंसिंग फर्मों के सहयोग से लॉन्च किया गया था। तीसरे सीजन को देश भर के 140 शहरों के स्टार्टअप और उभरते ब्रांडों की ओर से 1200 से अधिक एप्लीकेशन के साथ जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। 47 स्टार्टअप को फाइनलिस्ट के रूप में चुना गया, जिनमें गिवा, मोकोबारा, ओपन सीक्रेट और अन्य ब्रांड शामिल हैं। विजेताओं और सभी फाइनलिस्ट को एडब्ल्यूएस एक्टिवेट क्रेडिट के तहत कुल 10 लाख डॉलर भी मिले।

बजाज फिनसर्व एसेट मैनेजमेंट ने लॉन्च किया बजाज फिनसर्व लार्ज एंड मिड कैप फंड

देहरादून। बजाज फिनसर्व एसेट मैनेजमेंट ने नऐ इक्विटी फंड बजाज फिनसर्व लार्ज एंड मिड कैप फंड लॉन्च करने की घोषणा की है। इसे रणनीतिक रूप से श्मोट इन्वेस्टिंग यानी आकर्षक मूल्यांकन पर ट्रेड करने वाले कंपनियों के स्टॉक में निवेश के जरिए निवेशकों की संपत्ति बढ़ाने के लिए बनाया गया है। यह फंड एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है, जो लार्जकैप और मिडकैप दोनों श्रेणी के शेयरों में निवेश करती है, वहीं लंबी अवधि में स्थिरता और बेहतर रिटर्न निश्चित करने पर फोकस है। इस स्कीम के लॉन्च पर बजाज फिनसर्व एसेट मैनेजमेंट के सीईओ, गणेश मोहन ने कहा कि यह नई पेशकश हमारी रणनीतिक सोच और बाजार की गतिशीलता की गहरी समझ का प्रमाण है। हम बड़े आकार की कंपनियों और तेजी से बढ़ रही मिडकैप कंपनियों, दोनों की ग्रोथ क्षमता का लाभ उठा रहे हैं। यह तरीका निवेशकों को मजबूती से स्थापित दिग्गज कंपनियों की सापेक्ष स्थिरता और बाजार में तेजी से उभरते सितारों की ग्रोथ से लाभ उठाने की अनुमति देता है। उन्होंने कहा कि अनुभवी पेशेवरों की हमारी टीम ने बाजार के उतार-चढ़ाव का सामना करने और मोट इन्वेस्टमेंट (बेहतर रिटर्न के लिए आकर्षक मूल्यांकन पर ट्रेड करने वाले कंपनियों के स्टॉक में निवेश) की अनूठी अवधारणा पर तैयार विकास के अवसरों का लाभ उठाने के लिए सावधानीपूर्वक एक पोर्टफोलियो तैयार किया है। इस रणनीति में, हमारी टीम न सिर्फ बाजार के लीडर्स पर ध्यान केंद्रित करती है, बल्कि उन कंपनियों पर भी ध्यान केंद्रित करती है जो अपनी नेतृत्व की स्थिति की रक्षा करने में सक्षम हैं।।

अशोक लेलैंड ने उत्तराखंड में कौशल विकास के अपने एजेंडे को तेज गति से आगे बढ़ाया

पंतनगर। हिंदुजा समूह के भारतीय प्रमुख अशोक लेलैंड ने आज एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में रुद्रपुर पंतनगर में अप्रेंटिस के पहले बैच को अप्रेंटिस एंगेजमेंट लैटर वितरित किए। इस कदम को उत्तराखंड में कौशल विकास और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने की कंपनी की प्रतिबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।
समारोह में उत्तराखंड सरकार के कौशल विकास और रोजगार मंत्री सौरभ बहुगुणा और अशोक लेलैंड के सीओओ गणेश मणि की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह प्रयास इस क्षेत्र में कौशल विकास को बढ़ाने और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए अशोक लेलैंड की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह पहल नेशनल अप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम (एनएपीएस) के अनुरूप है।

कनाडा और यूके का वीजा दिलाने के नाम पर हड़पे 3.77 लाख

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
कनाडा और ब्रिटेन का वीजा दिलाने के नाम पर एक बुजुर्ग से 3.77 लाख रुपये की ठगी हो गई। पीड़ित अपनी पत्नी और बेटे के साथ विदेश जाना चाहते थे। उनकी शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ डालनवाला थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। पता चला है कि आरोपियों के खिलाफ पंजाब के लुधियाना में भी कई मुकदमे दर्ज हैं।
एसएचओ डालनवाला राकेश गुसाईं ने बताया कि मामले में इंदर रोड निवासी विजय खन्ना ने शिकायत की है। उन्होंने बताया कि वह अपनी पत्नी डॉ. गीता खन्ना और पुत्र डॉ. सिद्धांत खन्ना कनाडा और ब्रिटेन जाना चाहते थे।

हल्द्वानी हिंसा के नौ वांछित आरोपियों की पुलिस ने जारी कर दिए पोस्टर

आरोपी

8 हिंसा का मास्टरमांइड बताए जा रहे अब्दुल मलिक, उसका बेटा समेत नौ आरोपी शामिल हैं।

हल्द्वानी /टीम एक्शन इंडिया
हल्द्वानी हिंसा के नौ वांछित आरोपियों की पुलिस ने पोस्टर जारी कर दिए हैं, जिसमें हिंसा का मास्टरमांइड बताए जा रहे अब्दुल मलिक, उसका बेटा समेत नौ आरोपी शामिल हैं।
अब्दुल मलिक पर आरोप हैं कि उसने ही बनभूलपुरा में बवाल कराया और उसके लोगों ने हल्द्वानी में पथराव और आगजनी की। साथ ही लोगों को थाना जलाने के लिए उकसाया। पुलिस सूत्रों के अनुसार मलिक पर आरोप है कि उसने बरेली से उपद्रवियों को बनभूलपुरा भेजा। पुलिस इन साक्ष्यों की तलाश कर रही है। अब्दुल मलिक की कॉल डिटेल खंगाली जा रही है। पुलिस ने आरोपी का नंबर सर्विलांस पर लगाया है।
बता दें कि, पुलिस ने हल्द्वानी हिंसा मामले में घर-घर तलाशी के दौरान कई लोगों को हिरासत में लिया है। इससे पहले पुलिस इनके पास से सैंकड़ों बरामद कर चुकी है। जिनमें से करीब 99 कारतूस बनभूलपुरा थाने से चुराए गए थे।
उपद्रव का मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक की गिरफ्तारी पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है। पुलिस टीमों ने दिल्ली और बरेली में डेरा डाल रखा है। मोबाइल बंद होने के कारण पुलिस को उसकी लोकेशन नहीं मिल रही है। सर्विलांस टीम उसकी लोकेशन लगातार ट्रेस कर रही है।
बता दें कि, इन फरार आरोपियों में राजनीतिक पार्टियों के नेताओं के नाम भी सामने आ रहे है। पुलिस अब तक करीब 50 उपद्रवियों को हिरासत में ले चुकी है, इनके पास से हथियार और कारतूस भी बरामद हुए हैं। . हल्द्वानी हिंसा के मुख्य आरोपी अब्दुल मलिक और उसके बेटे अब्दुल मोईद के खिलाफ लुक आउट नोटिस भी जारी किया गया है।
आठ फरवरी को शहर में एक अवैध मदरसे को ध्वस्त करने के बाद हुई पथराव और आगजनी की घटना में छह लोगों की मौत हुई है। इसके साथ ही 300 से अधिक पुलिसकर्मी और नगर निगमकर्मी घायल हुए हैं।
उपद्रव के दौरान बनभूलपुरा थाना फूंक दिया गया था। अब इस थाने की मरम्मत का काम किया जा रहा है। यहां रंगाई, पुताई के साथ ही बिजली लाइनों को ठीक करने में मजदूर जुटे थे। थाने के पास ही कई महिला, पुरुष अपने कागजात लेकर कर्फ्यू में आनेजाने की अनुमति लेने के लिए पहुंचे। वहीं, कर्फ्यू के चलते हल्द्वानी रेलवे स्टेशन पर सवारी वाहन न होने के कारण यात्री पैदल ही चलते हुए रोडवेज की आते हुए मिले। यहां पर चेकपोस्ट पर पुलिस भी उनके टिकट आदि को चेक कर रही थी। बनभूलपुरा हिंसा के मुख्य आरोपी अब्दुल मलिक की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।
मगर उपद्रव को एक सप्ताह बीत चुका है, लेकिन अब्दुल मलिक गायब है। नैनीताल पुलिस न तो मलिक का पता ही लगा की सकी है और न ही उसके ठिकानों के बारे में कोई जानकारी है।

खाई में गिरा वाहन, चार लोग घायल

घायल

8 जनपद पौड़ी गढ़वाल के लक्ष्मण झूला थाना क्षेत्र में एक वाहन गट्टू घाट के पास खाई में गिर गया।

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया
जनपद पौड़ी गढ़वाल के लक्ष्मण झूला थाना क्षेत्र में एक वाहन गट्टू घाट के पास खाई में गिर गया। दुर्घटना में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने रेस्क्यू कर सभी घायलों को ऋषिकेश एम्स भेजा है।
लक्ष्मण झूला थाना प्रभारी रवि सैनी ने बताया कि शुक्रवार दोपहर 12 बजे के करीब पुलिस कंट्रोल रूम पौड़ी द्वारा बताया गया कि गट्टू घाट के पास एक चार पहिया वाहन खाई में गिर गया है। सूचना पर पुलिस की आपदा टीम को रवाना किया गया। मौके पर पहुंचने पर गट्टू घाट से 10 मीटर पहले नीलकंड रोड पर सड़क से करीब 30 मीटर नीचे कार गिरी थी।
इसके बाद कार में सवार सभी घायलों मोहित पुत्र महेंद्र सिंह निवासी राज बाग कॉलोनी, दिल्ली उम्र 25 वर्ष, प्रशांत पांडे पुत्र गोपाल पांडे निवासी महेश नगर, जयपुर उम्र 34 वर्ष, अंजली पांडे पुत्री गोपाल पांडे निवासी महेश नगर जयपुर उम्र 25 वर्ष, उर्मिला पांडे पत्नी गोपाल पांडे निवासी महेश नगर, जयपुर उम्र करीब 55 वर्ष को बाहर निकालकर 108 एंबुलेंस से एम्स अस्पताल भिजवाया।

बनभूलपुरा हिंसा: पुलिस ने वांछितों के पोस्टर लगाए

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया
नैनीताल पुलिस ने बनभूलपुरा हिंसा में वांछित उपद्रवियों के पोस्टर शहर में जगह-जगह चिपका दिए हैं। पुलिस की टीमें लगातार इन उपद्रवियों की तलाश कर रही हैं।
दरअसल, पुलिस टीमों द्वारा घटनास्थलों के आसपास के सीसीटीवी के अवलोकन एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर अभी तक 42 उपद्रवियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से अवैध हथियार व कारतूस बरामद किये गये हैं। पुलिस अभी 09 वांछित उपद्रवियों की तलाश में है। इसके लिए जगह-जगह उपद्रवियों के पोस्टर चस्पा कर दिए हैं।

उपनल कर्मी लगातार अत्याचार का शिकार हो रहे हैं : हरीश रावत

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
उपनल कर्मियों के प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने प्रदेश सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि निरंतर उपनल कर्मी अत्याचार के शिकार हो रहे हैं। मनमाने तौर पर उनको हटा दिया जाता है। भविष्य के लिए कोई योजनागत सुरक्षा नहीं है।
हरिश रावत ने देहरादून में प्रदर्शन कर रहे उपनल कर्मियों के समर्थन में एक घंटे का मौन व्रत रखा। इसके बाद वह उपनल कर्मियों के बीच पहुंचे और कहा कि उपनल कर्मियों की अनसुनी उनकी व्यथा की पराकाष्ठा है। वे जहां काम कर रहे हैं वहां काम करते रहेंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं है। उन्हें मनमाने तौर पर हटा दिया जाता है। उनका मानदेय भी नाममात्र का और काम का बोझ सर्वाधिक है। कई लोग ऐसे हैं जिन्होंने अपनी सरकारी सेवा अवधि का एक तिहाई हिस्सा इसी अनिश्चितता में काट दिया है। यह पूरे राज्य के लिए चुनौती है। सरकार को उपनल कर्मियों की मांगों का समाधान निकालना होगा। इसके लिए दो रास्ते भी हैं।
रावत ने कहा कि पहला जो हाई कोर्ट ने दिखाया है और दूसरा 2016 में तत्कालीन सरकार ने प्रस्तावित किया है। आशा है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी स्वयं उपनल कर्मियों की भावना की गहराई का संज्ञान लेंगे।

मौन व्रत

8 -उपनल कर्मियों के समर्थन में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने रखा मौन व्रत

सैनिक कल्याण मंत्री के आवास का घेराव, उपनल कर्मियों ने बुलंद की आवाज

घायल

8 जनपद पौड़ी गढ़वाल के लक्ष्मण झूला थाना क्षेत्र में एक वाहन गट्टू घाट के पास खाई में गिर गया।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
आवाज दो हम एक हैं... नारे के साथ उपनल कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के कर्मचारियों ने शुक्रवार को सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी के न्यू कैंट रोड स्थित आवास का घेराव किया। साथ ही अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। उपनल कर्मचारी समान कार्य समान वेतन और नियमितीकरण जैसी मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं।
पैदल मार्च निकालने के लिए सैकड़ों उपनल कर्मी परेड ग्राउंड के बाहर एकत्रित हुए। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी के आवास को घेरने से पहले ही पुलिस बल ने सुभाष रोड पर बैरिकेडिंग लगाकर उपनल कर्मियों को रोक दिया। इससे आक्रोशित उपनल कर्मचारियों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई। वहीं उपनल कर्मचारी हाथों में बैनर पोस्टर लेकर सरकार के विरुद्ध नारा लगा रहे थे।
लोकसभा चुनाव बहिष्कार की चेतावनी
उपनल कर्मचारी अध्यक्ष विनोद गोदियाल ने कहा कि हमारी एसएलपी वापस ली जाए, हम जिन पदों पर लगे हैं उन्हें अधिसंख्य घोषित किया जाए, अकस्मात मृत्यु पर नौकरी और मुआवजा दिया जाए, रुका मानदेय मिले समेत अनेक मांगे हैं।
उन्होंने कहा कि यदि सरकार हमारी बातों को नहीं मानती है तो कर्मचारी लोकसभा चुनाव बहिष्कार को बाध्य होंगे।

अब पहाड़ पर भी सफर होगा आसान, उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था भरेगी उड़ान

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
अब उत्तराखंड में पहाड़ का सफर आसान होने वाला है। हल्द्वानी से पिथौरागढ़, मुनस्यारी और चंपावत के लिए 22 फरवरी से हेली सेवा प्रारंभ होने से पर्यटन के साथ अब उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था भी उड़ान भरेगी। हेलीकॉप्टर सेवा शुरू होने से दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रों में जाने वाले लोगों की राह आसान होगी। साथ ही पर्यटक रोमांच के साथ उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत को भी नजदीक से जान सकेंगे।
उड़ान योजना के तहत पिथौरागढ़, मुनस्यारी और चंपावत को हेली सेवा से जोड़ा जा रहा है। हल्द्वानी से तीनों जगहों के लिए नियमित हेली सेवा शुरू करने की तैयारी कर ली गई है। इसके लिए गत 19 जनवरी को गौलापार हेलीपैड से हेली सेवा के लिए ट्रायल किया गया था। ट्रायल सफल होने पर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की अनुमति मिल गई है। अब यह सेवा 22 फरवरी से प्रारंभ होगी। हेली सेवा सुचारू करने के लिए प्रशासन की ओर से व्यवस्था चाक-चौबंद कर ली गई है। यह हेली सेवा देश-दुनिया के पर्यटकों को लुभाएगी।

प्रतिदिन दो चक्कर लगाएगा सात सीटर हेलीकॉप्टर
सात सीटर हेलीकॉप्टर हल्द्वानी से हर दिन दो बार उड़ान भरेंगे, जिनकी वापसी भी उसी दिन होगी। फिलहाल एक हेलीकॉप्टर हल्द्वानी में ही रहेगा। हेलीपैड पर दो पायलट और चार इंजीनियर तैनात रहेंगे। अधिकारियों के मुताबिक हेलीकॉप्टर सेवा की जल्द टाइमिंग और अन्य अपडेट वेबसाइट पर लोड कर दिए जाएंगे।
इतना होगा किराया
उप जिलाधिकारी पारितोष वर्मा ने बताया कि चंपावत के लिए प्रति व्यक्ति किराया 2500 रुपये, पिथौरागढ़ के लिए 3000 और मुनस्यारी के लिए 3500 रुपये प्रति व्यक्ति किराया प्रस्तावित है।

कैलाश मानसरोवर में भक्तों की होगी वृद्धि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिथौरागढ़ दौरे के बाद से सीमांत क्षेत्र पिथौरागढ़ में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई है। हेलीकॉप्टर सेवा शुरू होने से पिथौरागढ़ से विश्व प्रसिद्ध भगवान शिव की स्थली कैलाश मानसरोवर के दर्शन करने वाले भक्तों में भी वृद्धि होगी।
मसूरी में भी शुरू होगी हेली सेवा
पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने मसूरी के सर जॉर्ज एवरेस्ट क्षेत्र का दौरा किया था। इसी बीच उन्होंने देहरादून गढ़ी कैंट से मसूरी हेली सेवा जल्द शुरू होने की बात कही थी।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने विभिन्न मांगों को लेकर निकाली रैली

नई टिहरी/टीम एक्शन इंडिया
आंगनबाड़ी कार्यकत्री-सहायिका मिनी कर्मचारी संगठन के बैनर तले आंगनबाड़ी कार्यकताओं व पदाधिकारियों ने विभिन्न मांगों को लेकर रैली निकाली। रैली सुमन पार्क से लेकर मुख्य मार्गों से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची, जहां पर डीएम को मांगों को लेकर ज्ञापन प्रेषित किया गया।
शुक्रवार को विभिन्न मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुमन पार्क में एकत्र हुए और गोष्ठी आयोजित की।
इसके बाद जुलुस-प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट के लिए रवाना हुए।

मुख्य मार्गों से होकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। इसके बाद डीएम मयूर दीक्षित को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम ज्ञापन प्रेषित कर मांगों का पूरा करने की अपील की।

संपादकीय

एमएसपी को लेकर सड़कों पर किसान

मरने -मारने के अंदाज में किसान एक बार फिर सड़कों पर उतर आए हैं। चुनाव माहौल गरम होते ही वे दिल्ली को घेरने के इरादे पर डट जाते हैं। पंजाब से दिल्ली आ रहे किसान हरियाणा में पुलिस से जगह-जगह पर बिना किसी बात के भिड़ रहे हैं। किसानों का 'दिल्ली चलो' मार्च हिंसक हो रहा है और अराजकता पैदा कर रहा है। यह सारा देश दिन भर टेलीविजन पर देख रहा है। सरकार से बातचीत करके कोई हल निकालने को किसान नेता मानने को तैयार तक नहीं हैं। वे तो चाहते हैं कि उनकी हरेक मांग को सरकार मान जाए। याद रखें कि किसानों की कुछ मांगों को मानना लगभग असंभव सा है। किसान नेता कह रहे हैं कि उनके 24 लाख करोड़ रुपये के लोन माफ हो जाएं । सरकारें किसानों के बहुत सारे लोन समय-समय पर माफ करती भी रहती हैं। पर सारे लोन माफ करना नामुमकिन ही है। क्या पैसा पेड़ों में लगा है जिसे सरकार तोड़ कर किसानों को दे देगी? किसानों को देश अन्नदाता मानता है, पर उन्हें भी ठंडे दिमाग से सोचना चाहिए कि क्या उनकी मांगें सही हैं। जब चुकाने का इरादा ही नहीं था तो लोन लिया क्यों था ? बेईमानी करने के लिए ? इसके साथ ही किसान संगठन बार बार न्यूनतन समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर आंदोलन और प्रदर्शन करते हैं। वे इस बार भी एमएसपी के लिए कानून बनाने समेत अन्य मांगों को लेकर दिल्ली आकर विरोध प्रदर्शन करना चाहते हैं। इनका कहना है कि स्वामीनाथन कमीशन की सिफारिशों के अनुसार, एमएसपी लागू हो। अफसोस होता कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी किसानों की इस मांग का समर्थन करते हैं। स्वामीनाथन कमीशन ने 2006 में अपनी रिपोर्ट दी थी। तब डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में केन्द्र में यूपीए सरकार थी। यूपीए सरकार 2014 तक रही। सबको पता है कि उसके सर्वेसर्वा राहुल गांधी और उनकी मां सोनिया गांधी ही थे। उन्होंने तब यूपीए सरकार पर दबाव डालकर स्वामीनाथन कमीशन की सिफारिशों को क्यों नहीं लागू किया। अब राहुल गांधी कह रहे हैं कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर स्वामीनाथन कमीशन के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य दिया जाएगा। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के लिए छत्तीसगढ़ पहुंचे राहुल गांधी ने कहा है, "देश में किसानों को जो मिलना चाहिए, वो उन्हें नहीं मिल रहा है। लेकिन इस तथ्य को नजरअंदाज किया जाता है कि केंद्र सरकार देश के किसान परिवारों एवं खेती की दशा-दिशा सुधारने के लिए हर साल तीन लाख करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च करती है। इसमें उर्वरकों पर सब्सिडी के अतिरिक्त कृषि मंत्रालय की कई ऐसी योजनाएं हैं, जिनके जरिए किसानों के खाते में सीधे पैसे भेजे जाते हैं। जानकारों के अनुसार, केन्द्र सरकार केवल समग्र कृषि योजनाओं के माध्यम से दी जाने वाली सहायता राशि का अगर औसत आकलन किया जाए तो प्रत्येक किसान पर कृषि एवं उर्वरक मंत्रालय के तहत हर साल लगभग 22 हजार रुपये से ज्यादा खर्च कर रही है। अब आंदोलनकारी किसान यह भी कह रहे हैं कि पराली जलाने पर उन पर कोई दंड ना हो। यानी कि प्रतिदिन इनकी नई-नई मांगें सामने आ रही हैं कपराली जलाने के कारण कितना वायु प्रदूषण फैलता है और उससे कितने लोग प्रभावित होते हैं, इससे किसान लगभग बेपरवाह हैं। पिछले साल नवंबर के महीने में इस विषय पर सुप्रीम कोर्ट ने बहुत साफ कहा था कि पंजाब में धान की खेती जारी रखने से लंबे समय में विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा।

चुनावी चंदे के धंधे पर लगी सुप्रीम रोक

रमेश सर्राफ धमोरा

> इनमें सैकड़ों ऐसी पार्टियाँ हैं जिन्होंने कभी चुनाव ही नहीं लड़ा है। इससे यह साफ हो जाता है कि कुछ तो गड़बड़ जरूर है। देश के पंजीकृत राजनीतिक दलों को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 13 ए के तहत आयकर से छूट मिलती है। उनके लिये दान या चंदा लेने की कोई अधिकतम सीमा तय नहीं है। उनको सिर्फ उस लेन-देन का ब्योरा चुनाव आयोग के समक्ष पेश करना होता है जो 20 हजार या उससे ज्यादा हो। इससे कम की रकम का कोई हिसाब उसे नहीं देना होता है। इसी का लाभ उठाकर तमाम राजनीतिक दलों पर कालेधन को सफेद करने और चुनावों में बेहिसाब कालाधन खर्च करने के आरोप लगते रहे हैं। यहीं कारण है कि सैकड़ों दल चुनाव नहीं लड़ते लेकिन राजनैतिक दल के तौर पंजीकृत हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम का सबसे अधिक फायदा केन्द्र में सत्तरूढ़ भाजपा व मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को ही मिला है

सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला देते हुए राजनीतिक दलों के लिए चंदा जुटाने की पुरानी इलेक्टोरल बांड स्कीम को अवैध करार देते हुए इसके जरिए चंदा लेने पर तत्काल रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इलेक्टोरल बांड की गोपनीयता बनाए रखना असंवैधानिक है। यह स्कीम सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व में गठित पांच जजों की बेंच ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया है। बेंच में जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल हैं। अपने फैसले में चीफ जस्टिस ने कहा है कि पॉलीटिकल प्रोसेस में राजनीतिक दल अहम यूनिट होते हैं। पॉलिटिकल फंडिंग की जानकारी वह प्रक्रिया है जिससे मतदाता को वोट डालने के लिए सही चॉइस मिलती है। वोटर्स को चुनावी फंडिंग के बारे में जानने का अधिकार है। जिससे मतदान के लिए सही चयन होता है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजो की बेंच ने तीन दिनों तक लगातार सुनवाई करने के बाद 2 नवंबर 2023 को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिकाकर्ताओं एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) सहित अन्य ने केंद्र सरकार की चुनावी बॉन्ड योजना को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुये इन सभी ने इस योजना को लागू करने के लिए फाइनेंस एक्ट 2017 और फाइनेंस एक्ट 2016 में किए गए कई संशोधन को गलत बताया था। याचिकाकताओं का दावा है कि कि इससे राजनीतिक दलों को बिना जांच और टैक्स भरे फंडिंग मिल रही है। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 2017 के बजट में चुनावी इलेक्टोरल बांड स्कीम को पेश किया था। जिसे 2 जनवरी 2018 को केंद्र सरकार ने नोटिफाई किया था। इस योजना को उसी समय चुनौती दी गई थी। लेकिन सुनवाई 2019 में शुरू हुई। 12 अप्रैल 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने सभी राजनीतिक दलों को निर्देश दिया था कि वह 30 मई 2019 तक एक लिफाफे में चुनावी बांड से जुड़ी सभी जानकारी चुनाव आयोग को दें। हालांकि कोर्ट ने उस समय इस योजना पर रोक नहीं लगाई थी। बाद में दिसंबर 2019 में याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने इस योजना पर रोक

लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दिया था। इसमें मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से बताया गया था कि किस तरह चुनावी बांड योजना पर चुनाव आयोग, रिजर्व बैंक की चिताओं को केंद्र सरकार ने दरकिनार कर दिया था। इस पर चुनाव आयोग ने भी अपनी नकारात्मक राय दी थी। चुनाव आयोग का मानना था कि चंदा देने वालों के नाम गुमनाम रखने से पता लगाना संभव नहीं होगा कि राजनीतिक दल ने धारा 29(बी)का उल्लंघन कर चंदा लिया है या नहीं। विदेशी चंदा लेने वाला कानून भी बेकार हो जाएगा। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक का मानना था कि इलेक्टोरल बांड मनी लॉन्ड्रिंग को बढ़ावा देगा। इसके जरिए ब्लैक मनी को व्हाइट करना संभव होगा। चुनाव आयोग व रिजर्व बैंक की आपत्ति के बाद सुप्रीम कोर्ट का फैसला अपने आप में ऐतिहासिक माना जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के पहले केंद्र सरकार ने 5 फरवरी को लोकसभा को बताया था कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के माध्यम से 30 किश्तों में 16,518 करोड़ रुपये के चुनावी बांड बेचे गए हैं। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी द्वारा लोकसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में,वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा था कि भारतीय स्टेट बैंक से खरीदे गए चुनावी बांड (चरण 01 से चरण 30) का कुल मूल्य लगभग 16,518 करोड़ रुपये है। चौधरी ने कहा था कि केंद्र ने पहले 25 चरणों के लिए चुनावी बांड जारी करने और भुनाने के लिए एसबीआई को 8.57 करोड़ रुपये का कमीशन दिया है। इसके अलावा इसने अब तक सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल) को 1.90 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। चौधरी ने बताया था कि केंद्र सरकार ने 2 जनवरी 2018 को चुनावी बॉन्ड योजना को अधिसूचित किया था। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि स्वच्छ कर भुगतान किया गया पैसा उचित बैंकिंग चैनल के माध्यम से राजनीतिक फंडिंग की प्रणाली में आये। हालांकि दानदाताओं के नाम गुमनाम रहे और सूचना के अधिकार के दायरे से बाहर रहे। ये बांड विशेष रूप से राजनीतिक दलों को धन के योगदान के लिए जारी किए गए थे और इन्हें केवल भारतीय स्टेट बैंक की शाखाओं में ही खरीदा जा सकता था। इलेक्टोरल बॉन्ड से उसी पार्टी को चंदा लेने का अधिकार था जो जनप्रतिनिधित्व कानून-1951 रिपर्जेंटेशन आफ द पिपुल्स एक्ट की धारा 29 के तहत रजिस्टर्ड हो। जिसे लोकसभा या विधानसभा चुनाव में कम से कम 1 प्रतिशत वोट मिला हो। भारत में चुनाव आयोग के समक्ष करीबन 1900 पार्टियाँ पंजीकृत हैं।

इनमें सैकड़ों ऐसी पार्टियाँ हैं जिन्होंने कभी चुनाव ही नहीं लड़ा है। इससे यह साफ हो जाता है कि कुछ तो गड़बड़ जरूर है। देश के पंजीकृत राजनीतिक दलों को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 13 ए के तहत आयकर से छूट मिलती है। उनके लिये दान या चंदा लेने की कोई अधिकतम सीमा तय नहीं है। उनको सिर्फ उस लेन-देन का ब्योरा चुनाव आयोग के समक्ष पेश करना होता है जो 20 हजार या उससे ज्यादा हो। इससे कम की रकम का कोई हिसाब उसे नहीं देना होता है। इसी का लाभ उठाकर तमाम राजनीतिक दलों पर कालेधन को सफेद करने और चुनावों में बेहिसाब कालाधन खर्च करने के आरोप लगते रहे हैं। यहीं कारण है कि सैकड़ों दल चुनाव नहीं लड़ते लेकिन राजनैतिक दल के तौर पंजीकृत हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम का सबसे अधिक फायदा केन्द्र में सत्तरूढ़ भाजपा व मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को ही मिला है। चुनाव आयोग के अनुसार 2018-19 में भाजपा को 1450 करोड़ रुपए व कांग्रेस को 383 करोड़ रुपए का चंदा इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिये मिला था। वहीं 2019-20 में भाजपा को 2555 करोड़ रुपए व कांग्रेस को 318 करोड़ रुपए मिले थे। 2020-21 के कोरोना काल में भी भाजपा को 22.38 करोड़ व कांग्रेस को 10.07 करोड़ रुपए मिले थे। 2021-22 में भाजपा को 1032 करोड़ रुपए व कांग्रेस को 236 करोड़ रुपए चंदे में मिले। 2022-23 में भाजपा को 1300 करोड़ रुपये व कांग्रेस को 171 करोड़ चंदे में मिले। रुपये इस तरह 2018 से 2022 तक भाजपा को 6359.38 करोड़ रुपए व कांग्रेस को 1118.07 करोड़ रुपए मिले थे। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस सहित अन्य क्षेत्रीय दलों को भी इस योजना में बड़ी मात्रा में चंदा मिला है। इलेक्टोरल बांड स्कीम से देश के सभी राजनीतिक दलों को चंदा मिला है। सभी दलों ने चंदे कि बहती गंगा में हाथ धोया है। अब यदि कोई राजनीतिक दल खुद को पाक साफ दिखने के लिए अन्य दलों पर कीचड़ उछाले तो वही बात होगी सौ चूहे खाकर बिल्ली हज करने चली। चुनाव में पानी की तरह बेहिसाब पैसा बहाकर सत्ता में आनेवाला कोई भी राजनीतिक दल कभी लोक कल्याणकारी नीतियों को प्रोत्साहन देने वाला नहीं हो सकता है। अतः राजनैतिक दलों की वित्तीय अनियमितताें को दूर करना आज वक्त की जरूरत बन चुकी है। हालांकि इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि इस संबंध में अब तक जितने भी प्रयास हुए हैं नाकाफी ही साबित हुए हैं। इस दिशा में सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से राजनीति में चल रहे चंदे के गंदे धंधे पर रोक तो जरूर लगेगी जो राजनीतिक सुचिता की दिशा में एक नयी पहल होगी।

कविता

"इश्क रहते हो इश्क करते हो
तुम
दूर रहकर भी साथ रहते हो तुम
सदा मेरी आंखों में काजल बने रहते हो
तुम"
विशिष्ट काव्य अतिथि कवि,चिंतक,
लेखक संजीव ठाकुर ने अपनी रचना
पढ़ी-
"दुनिया से बच के तुझको निहार आया
हूं,
कर्ज इश्क का यूं ही उतार आया हूं,
खून से लबरेज है इश्क का दरिया
प्यार की कश्ती से बामुश्किल पार
आया हूं।"
डॉ कमल वर्मा ने कहा
प्रेम जज्बा है जिंदगी का
शब्दों में उतरना संभव नहीं
संयोजक मुकेश गुप्ता ने पढ़ा
प्रेम हमें हंसना सीखना है
प्रेम हमें जीना सिखाता है
प्रेम हमें रोना सीखना है
प्रेम हमें बिछड़ना सीखता है।

संजीव

भारत की सांस्कृतिक विजय का प्रतीक अबू धाबी मंदिर

डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी

अबू धाबी में स्वामीनारायण संप्रदाय के भव्य मंदिर का शुभारंभ बीती 14 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। संयुक्त अरब अमीरात में हिन्दू धर्म के अनुसार सार्वजनिक रूप से पूजा-पाठ विशेष रूप से मूर्ति पूजा की अनुमति नहीं थी। लेकिन बीते कुछ दशकों में कुछ छोटे-छोटे देशों के इस समूह में भारतीयों की संख्या जिस तेजी से बढ़ी उसने उन्हें अमीरात की जरूरत बना दिया। बदलते वक्त के साथ यूएई की सोच भी बदल रही है। उसी का नतीजा है कि वहां आज एक भ्व्य हिंदू मंदिर स्थापित हो पाया है। ये मंदिर दुबई-अबू धाबी शेख जायद हाईवे के पास अल रहबा में अबु मुरेखा नाम की जगह पर बना है। ये मंदिर बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था यानी बीएपीएस ने बनाया है। दुनियाभर में इस संस्था के 1200 से ज्यादा मंदिर हैं. दिल्ली और गुजरात में अक्षरधाम मंदिर इसी संस्था ने बनाया है। अबू धाबी में मंदिर की कल्पना बीएपीएस के प्रमुख स्वामी महाराज ने 5 अप्रैल 1997 को की थी। उनका मानना था कि अबू धाबी में भी एक मंदिर होना चाहिए, जिससे देश, संस्कृति, समुदाय और धर्म और करीब आ सकें। अबू धाबी के शासक ने बड़ी ही उदारता से भूमि प्रदान की जो किसी इस्लामिक देश में कल्पनातीत है। इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया जाना पूरी तरह सही होगा क्योंकि उन्होंने अपने दस वर्ष के कार्यकाल में संयुक्त अरब अमीरात के शाही परिवारों से आत्मीय रिश्ते बना लिए। यही वजह है कि पाकिस्तान और भारत के बीच किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में वे हमारे पक्ष में खड़े नजर आए। निश्चित रूप से इसके पीछे उन लाखों भारतीयों का भी योगदान है जिन्होंने अपने परिश्रम और सदाचरण से वहां की सरकार और समाज का विश्वास अर्जित किया। दुनिया के अनेक देशों में स्वामी नारायण संप्रदाय के भव्य मंदिर बने हैं किंतु अबूधाबी का यह मंदिर उन लोगों के मुंह पर तमाचा है जो भारत में मंदिर बनाए जाने पर नाक सिकोड़ते हैं। इसी के साथ ये मुस्लिम कट्टरपंथियों के लिए भी सबक है जो अतीत में मंदिरों को तोड़कर बनाई गई मस्जिदों पर हिंदुओं के दावे को स्वीकार करने की सौजन्यता दिखाने के बजाय उसमें अड़ंगे लगाया करते हैं। अयोध्या में गत 22 जनवरी को राममंदिर के शुभारंभ के अवसर पर समूचे विश्व के सनातन प्रेमियों ने हर्षोल्लास मनाया किंतु मुस्लिम समाज का बड़ा वर्ग कोपभवन में बैठा रहा। उसके प्रवक्ता भी अपनी खीझ व्यक्त करने से बाज नहीं आए। बाबरी ढांचे को दोबारा खड़ी करने जैसी डींगें भी हांकी गईं। पाकिस्तान ने भी राममंदिर के निर्माण को लेकर बकवास करते हुए भारत के मुसलमानों को भड़काने के उद्देश्य से बयान जारी किए। यहां तक कि संरासंघ तक में शिकायत की। लेकिन अबूधाबी के मुस्लिम शासकों द्वारा प्रदत्त 27 एकड़ के भूखंड पर बना यह मंदिर इस्लामिक कट्टरपंथियों के लिए जबरदस्त संदेश है। संयुक्त अरब अमीरात के रेगिस्तान में हिंदू मंदिर बना है। यह दुनिया के किसी अजूबे, करिश्मे और अभूतपूर्व मिसाल से कम नहीं है।

विचार

सोनिया गाँधी ने क्यों दिया रायबरेली को भावनात्मक संदेश

प्रभुनाथ शुक्ल

"**मैं अप**ने बच्चों को भीख मांगते देख लूंगी, परंतु मैं राजनीति में कमद नहीं रखूंगी।" यह पीड़ा सोनिया गांधी की थी जो अपने पति एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को खोने के बाद कहा था। यह एक माँ और औरत की पीड़ा थी। क्योंकि राजीव गांधी को खोने के बाद सोनिया गांधी अकेली पड़ गयीं थीं। वह डरी और सहमी थीं क्योंकि पारिवारिक संघर्ष में वह अकेली थीं। उन्हें सबसे अधिक फिक्र दोनों बच्चों राहुल और प्रियंका गांधी के सुरक्षा की थी। जिसकी वजह से वह राजनीति में नहीं आना चाहती थीं। क्योंकि राजनीति की वजह से उन्होंने पति और सास को खोया था। जिसकी वजह से उन्हें राजनीति से घृणा हो गई थी। गांधी परिवार के लिए दोनों घटनाएं बेहद दुःखद थी। लेकिन सोनिया गांधी का दृढ संकल्प उन्हें विषम परिस्थितियों में भी डिगने नहीं दिया। कांग्रेस को संभालने के लिए उन्हें अंतत राजनीति में आना पड़ा। लेकिन सोनिया गांधी लगता है अब सक्रिय राजनीति को अलविदा कह दिया है। खराब स्वास्थ्य के चलते अब वह चुनाव नहीं लड़ेंगी और राज्यसभा के माध्यम से कांग्रेस की सेवा करेंगी। उन्होंने रायबरेली की जनता के नाम एक भावनात्म चिट्ठी भी लिखी है। सोनिया गांधी के इस फैसले के बाद रायबरेली की सीट क्या कांग्रेस के लिए सुरक्षित रह पाएगी या अमेठी की तरह उस पर भी भजपा का कब्जा हो जाएगा। सोनिया गांधी के इस फैसले को लेकर सियासी उठापटक शुरू हो गई है। भाजपा ने सोनिया गांधी पर जहाँ तंज कसा है। वहीं कांग्रेस ने सोनिया गांधी के फैसले को पार्टी का अपना फैसला बताया है। कांग्रेस बेहद बुरे दौर से गुजर रही है। इंदिरा गांधी के जाने के बाद राजीव गांधी ने पार्टी को संभाला। राजीव की अनुपस्थिति में सोनिया गांधी ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई। लेकिन राहुल गांधी खरे उतरते नहीं दिख रहे हैं। दक्षिणपंथी विचारधारा की पोषक भारतीय जनता पार्टी में मोदी युग की शुरूवात के बाद कांग्रेस का विश्वास जनता में सिकुड़ता गया है। कमजोर कांग्रेस को मजबूत आधार दिलाने वाला कोई राजनेता नहीं दिख रहा है। प्रियंका गांधी से पार्टी समर्थकों से काफी उम्मीद थी, लेकिन उत्तर प्रदेश राज्य विधानसभा के चुनाव में उन्हें जो करिश्मा करना था वह नहीं कर पाई। ऐसी ऐसी स्थिति में सक्रिय राजनीति से सोनिया गांधी का अलविदा कहना कांग्रेस को किस दिशा में लेकर जाएगा यह कहना मुश्किल है। कांग्रेस आज भले कमजोर हो गई है, लेकिन कांग्रेस से अधिक लोगों को गांधी परिवार पर सबसे अधिक भरोसा है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की रायबरेली परंपरागत सीट रही है। रायबरेली और अमेठी का नाम आते ही लोगों के सामने गांधी और नेहरू परिवार की तस्वीर तैरने लगती है। लेकिन कमजोर होती कांग्रेस ने अपनी बहु चर्चित लोकसभा सीट अमेठी को गंवा दिया। राहुल गांधी को विषम राजनीतिक परिस्थितियों में नई सियासी जमीन तलाशने के लिए दक्षिण भारत से चुनाव लड़ना पड़ा। अब यह निश्चित हो गया है कि सोनिया गांधी राज्यसभा के माध्यम से कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करेंगीं। फिर सवाल उठता है क्या रायबरेली सीट कांग्रेस से हाथ से फिसल जाएगी। जबकि सोनिया गांधी स्वयं वहां से सांसद हैं। कांग्रेस के जो राजनीतिक हालात हैं उस स्थिति में राहुल गांधी क्या अमेठी एवं रायबरेली लौटेंगे। गांधी परिवार के लिए सबसे सुरक्षित सीट रायबरेली का फिर क्या होगा। क्या गांधी परिवार से उपेक्षित होने के बाद यह सीट अमेठी की तरह भाजपा के हाथ में चली जाएगी या फिर गांधी परिवार की राजनीतिक पहचान उत्तर प्रदेश से खत्म हो जाएगी। फिर क्या पार्टी प्रियंका गांधी या राहुल गांधी को रायबरेली से चुनावी मैदान में उतरेगी। हालांकि यह खबर भी आयी है की प्रियंका गांधी अमेठी और राहुल रायबरेली से चुनाव लड़ेंगे। राहुल गांधी क्या वायनाड को छोड़कर रायबरेली से अपना चुनावी भविष्य तय करेंगे। क्योंकि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के लिए अब खोने के लिए कुछ नहीं बचा है। जबकि दक्षिण भारत में भाजपा अभी कमजोर स्थिति में है। उसे हालत में राहुल गांधी अगर वायनाड को बाय-बाय कर रायबरेली से अपना भाग्य आजमाते हैं तो दक्षिण के लिए गलत संदेश जाएगा और दक्षिण में कांग्रेस कमजोर होगी। ऐसी विषम परिस्थितियों में राहुल गांधी क्या रायबरेली से चुनाव लड़ने का निर्णय ले पाएंगे।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक रवि भारद्वाज, दैनिक एक्शन इंडिया कार्यालय, 7/1, बल्लूपुर रोड, डॉ टीपी पटनायक के सामने, कृष्ण नगर चौक के पास, देहरादून, उत्तराखण्ड ने मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, शक्ति कॉम्प्लेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042 से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक केवल पीआरबी एक्ट के तहत ही उत्तरदायी। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी
समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)
स्थानीय संपादक : हिमांशु अनिकेत (9837313943)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

व्यंग्य

ट्यूशनः लघु कुटीर उद्योग

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

ट्यूशन भारत का अतिप्रिय लघु कुटीर उद्योग है। इस उद्योग का सर्वेसर्वा अध्यापक होता है। उसे स्कूल और ट्यूशन केंद्रों में बच्चों का बचपन खाने में बड़ा मजा आता है। पता नहीं क्यों लोग अध्यापक से इतना जलते हैं। जो खुद मानसिक आग में जलता हो उससे भला जलने से क्या लाभ। भारत जैसे शास्त्र प्रधान देश में ट्यूशन-शास्त्र पर अभी तक एक भी ग्रंथ नहीं है। शास्त्रों की बखिया उधेड़ने वालों के लिए यह डूब मरने की बात है। इस प्रक्रिया के कुछ सोपान निश्चित किए जा सकते हैं। विद्वत्ता से प्रभावित होकर ट्यूशन पढ़ने वाले छात्रों को उच्च श्रेणी में रखा जा सकता है इनका शास्त्रीय विवेचन करना व्यर्थ है। इनके अतिरिक्त ट्यूशन घेरने के लिए छात्रों पर फंदा डालना पड़ता है। इसके कई तरीके हैं- कक्षा में देर से आना, कक्षा में पहुँचकर माथा पकड़कर बैठ जाना। एकाध सवाल समझाकर सारे कठिन सवाल गृह-कार्य के रूप में देना। यदि छात्र कक्षा में कुछ पूछे तो - 'कक्षा के बाद पूछ लेना' कह देना। कक्षा के बाद पूछे तो 'घर आओ तब ही ढंग से बताया जा सकता है।' दूसरी विधि-छमाही परीक्षा में चार-पाँच को छोड़ बाकी छात्रों को फेल कर देना। फिर देखिए सुबह-शाम छात्रों की भीड़ गुरु-गृह में दृष्टिगोचर होने लगेगी।इस प्रकार जब दूकान चल निकलती है तो दो शिफ्ट सुबह में वास्तविक पढ़ाई शुरू हो जाती है। गुरु जी पढ़ाते समय विभिन्न दैनिक एवं पारिवारिक कार्यों को भी संपन्न करते रहते हैं - एक पंथ दो काज। विनाशक जी छुटके की रुलाई रोकने के लिए सिंहासन छोड़कर कई बार घर के अंदर जाते हैं। इसी बीच बाथरूम में जाकर नहाना, नहाने के बाद अगरबत्ती जला कर पूजा करना और बीच-बीच में दिशा निर्देश भी करते जाते हैं - महेश तुम गुणनखंड के आठ प्रश्न अभी हल करो।' श्रद्धा-भक्ति बढ़ाओ संतन की सेवा' और सोहन तुम वृत्त के सभी प्रश्न कर जाओ। इस प्रकार कार्यरत रहने से ये गुरु-शिष्य विद्यालय में देर से पहुँच कर गौरव प्राप्त करते हैं। कुछ लोग कहते हैं कि छात्रों के हृदय से सेवा-भावना का लोप हो रहा है। इन गैर सरकारी 'कुटीर शिक्षा केंद्रों' का निरीक्षण करें तो उन्हें अपनी विचारधारा बदल देनी पड़ेगी। सुबह के समय एक छात्र डेरी से दूध ला रहा है।

राजनीति की नुकीली फसल में फंसा किसान असल

सूर्यदीप कुशवाहा

लोकतंत्र की सड़क पर नुकीली फसल बोई गई। किधर जाए किसान विरोध जताने, विपक्ष तो पहले से ही परेशान है। माननीयों को आवाज सुनाई भी नहीं पड़ती है। वे ऊँची सुनते हैं। बस अपनी चुनावी खेत की जुताई में जुटे हैं।अब चुनावी सफर का सुहाना मौसम भी नजदीक आ गया है। भई लहलाहती वोट की फसल काटनी है तो उन्नत बीज बोने पड़ेंगे। खाद-पानी खूब डालना पड़ेगा। शब्दों की बकैती की उर्वरक डालनी पड़ेगी। माहौल बनाते है और विरोधियों की फसल काटते हैं। अगर मौसम अनुकूल रहा तो बढ़िया पैदावार होगी। हवा का रुख चुनाव के अनुकूल नहीं बहा तो जमीन पर लोट जाएगा। राजनीति की पैतराबाजी को समझना आम आदमी की बस में नहीं है। फसल का लिटमस पेपर टेस्ट ले लिया गया। उनके खिलाफ वोटर टस से मस नहीं होता है। सब खेला करके विपक्ष देख लिया है। वैसे राजनीति में भाग्य का सिक्का चलता है। मजहबी शौक क्या चीज है। आपको कुर्सी दिलाता है और आपको कुर्सी से गिरा भी देता है चाहे हवा आपके अनुकूल चले। वैसे रासायनिक दवा ईडी का छिड़काव भी बहुत कारगर है। कुर्सी पर फफूँद नहीं लगती। किसानों के विरोध को अवरोध लगाकर अवरुद्ध कर दिया जाता है। उनके विरोध को दिल्ली जाते देख विपक्ष प्रसन्नता से दिल खिल उठता है। वैसे सत्ताधीश जलभुन जाते हैं। उनसे विरोध सहन नहीं होती है कि इस विरोध से विपक्ष की बढ़िया फसल कट सकती है। वह धारदार कील सरेराह बो देते हैं। और निश्चिंत सोते हैं। विपक्ष जुगाड़ लगाने में जुट जाते हैं। जिससे कि सत्ताधारी की कुर्सी से उन्हें उतारी जाए। भूकंप सा माहौल कर जमीन पर उन्हें गिरा सके। कभी-कभी तो लहलहाती फसल काटने की जुगाड़ में दोनों जनता को भरमाते हैं। इवीएम में दोनों दावा करते हैं। लेकिन इवीएम महरानी विपक्ष को धोखा दे जाती हैं। गच्चा खाकर विपक्ष बैलट द्वारा वोट की फसल उगाना चाहती है। जो जीतता है वह दही खट्टी कैसे कह सकता है? हारने वाला ही रोता है। माननीयों को किसान की ना उम्मीदी में ही उम्मीदी दिखती है। राजनीति में बड़ा लोचा है, आम आदमी कहाँ सोचा है। सबसे ज्यादा अवसर यहीं हैं।

'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल गरीबों के सच्चे हितैषी'

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। भाजपा सांसद संजय भाटिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल गरीबों के सच्चे हितैषी और उनके प्रति संवेदनशील हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल की नीयत में सूई की नोक के बराबर भी कमी नहीं है। प्रधानमंत्री ने महिलाओं के दुख-दर्द को करीब से महसूस किया है। इसीलिये उनके कल्याण के लिये अनेक योजनओं को कियान्वित कर धरातल पर उतारा है।

संजय भाटिया आज प्रेम नगर के सामुदायिक भवन में रेवाड़ी में देश के 22वें एम्स के शिलान्यास समारोह के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन के लाइव प्रसारण के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। प्रधानमंत्री के करीब 40 मिनट के संबोधन को उपायुक्त अनीश यादव, एसडीएम अनुभव मेहता, सीएमओ डॉ. कृष्ण कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी सत्यवान ढिल्लौड़, मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि संजय बठला, मुख्यमंत्री के मीडिया कोआर्डिनेटर जगमोहन आनंद, पूर्व मंत्री शशिपाल मेहता, भाजपा जिला महामंत्री सुनील गोयल, जिला उपाध्यक्ष प्रवीण लाठर, मंडल अध्यक्ष राजेश अग्घी, भगवान दास अग्घी, मंडल अध्यक्ष साहिल मदान, ओबीसी मोर्चा से राजेश सैनी,

उपलब्धि

8 पीएम नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के दुख-दर्द को करीब से महसूस किया है : सांसद संजय भाटिया

भाजपा जिला कार्यालय सचिव मदन गुज्जर, राजबीर खोखर, दर्शन सहगल, एससी मोर्चा की एडवोकेट गीता परोचा व रतन सिंह वाल्मीकि सहित बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य व्यक्तियों ने प्रधानमंत्री के लाईव उद्बोधन को सुना। सांसद संजय भाटिया ने इस मौके पर 18 लोगों को पैंशन संबंधी प्रमाण पत्र वितरित किये।

सांसद ने कहा कि आजादी के बाद करीब 60 साल कांग्रेस का राज रहा, पर इस अवधि में अंग्रेजी शासनकाल में बिछाई गई एक भी रेलवे लाईन का विस्तार नहीं किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं की तकलीफों को समझते हुये न केवल घर-घर शौचालयों का निर्माण कराया, बल्कि उज्ज्वला योजना के तहत करोड़ों महिलाओं को गैस कनेक्शन उपलब्ध कराये। प्रधानमंत्री ने चूल्हे के धुएं से होने वाली परेशानी और अंधेरा होने तक निवृति के लिये इंतजार करने के महिलाओं के कष्ट को समझा। इससे स्पष्ट है कि वे महिलाओं के प्रति कितने संवेदनशील हैं। उन्होंने कहा कि एक समय था जब गरीबों के पास इलाज के लिये पैसे नहीं होते थे।

पीएम विश्वकर्मा योजना पर हुआ वर्कशॉप का आयोजन

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। भारत सरकार (सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय) के एमएसएमई-विकास कार्यालय द्वारा डा. मंगलसेन ऑडिटोरियम में पीएम विश्वकर्मा योजना पर एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया। सहायक निदेशक, एमएसएमई डीएफओ करनाल सतपाल ने आए हुए सभी आर्टिस्टों (कारीगर) व अधिकारियों का प्रोग्राम में पहुंचने पर स्वागत किया।

कार्यक्रम में एमएसएमई डीएफओ निदेशक संजीव चावला ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने बताया कि यह योजना 17 सितंबर 2023 को प्रधानमंत्री द्वारा लांच की गई थी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हाथ से कार्य करने वाले परंपरागत दस्तकारों के संपूर्ण विकास के लिए भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता के बारे में जानकारी प्रदान करना है।

उन्होंने बताया कि इस योजना में कारीगरों को 15 हजार रुपये तक की टूल किट और 3 लाख रुपये तक की राशि 5 प्रतिशत ब्याज पर बिना जमानत के लोन, मुफ्त प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षण के दौरान 500 रुपए दैनिक भत्ता, विपणन सहायता, प्रमाण पत्र और कारीगर पहचान पत्र प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने एक वीडियो के माध्यम से विस्तारपूर्वक चर्चा की तथा कारीगरों को रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया। कार्यक्रम में कपिल मित्तल, संयुक्त निदेशक, जिला एमएसएमई ने भी संबोधित किया गया।

न्यूज फ्लैश

भारत में अब जार्डियन्स (एम्पाग्लिफ्लोज़िन) वयस्क क्रोनिक किडनी डिसीज के इलाज के लिए मंजूरी दे दी गई है

नई दिल्ली। भारत का राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरण, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने eGFR रोगियों में निरंतर गिरावट, अंतिम चरण की किडनी की बीमारी, हृदय संबंधी मृत्यु और क्रोनिक किडनी डिसीज (सीकेडी) के बढ़ने के जोखिम वाले वयस्कों में अस्पताल में भर्ती होने के जोखिम को कम करने के लिए जार्डियन्सञ (एम्पाग्लिफ्लोज़िन) 10 एमजी टैबलेट को मंजूरी दे दी है। यह संकेत अनुमोदन नेफ्रोलॉजिस्ट और हृदय रोग विशेषज्ञों को पात्र रोगियों में सीकेडी के इलाज के लिए जार्डियन्स 10 एमजी टैबलेट का उपयोग करने की अनुमति देता है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि पॉलीसिस्टिक किडनी रोग वाले मरीजों में सीकेडी के इलाज के लिए जार्डियन्स की सिफारिश नहीं की जाती है या ऐसे मरीज जिन्हें अंतःशिरा इम्यूनोस्प्रेसिव थेरेपी की आवश्यकता होती है या हालिया इतिहास है या गुर्दे की बीमारी के लिए 45 एमजी से अधिक प्रेडनिसोन या समकक्ष है। इस अनुमोदन से भारत में सीकेडी5 से ग्रस्त अनुमानित 3 करोड़ 30 लाख से अधिक वयस्कों के लिए देखभाल के मानक को आगे बढ़ाने की और सीकेडी से ग्रस्त लोगों के लिए अस्पताल में भर्ती होने के जोखिम को कम करने के साथ-साथ गुर्दे की विफलता की प्रगति में देरी करके स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों पर पड़ने वाले बोझ को कम करने में मदद करने की क्षमता है। गगनदीप सिंह बेदी, मैनेजिंग डायरेक्टर, बोहरिंगर इंगेलहेम इंडिया, ने बताया, "क्रोनिक किडनी डिसीज एक गंभीर स्वास्थ्य मुद्दा है, और रोग की प्रगतिशीलता को धीमा करने और परिणामों को बेहतर बनाने वाले चिकित्सा उपचार अत्यंत आवश्यक हैं। हम किडनी रोग से पीड़ित लोगों और उनके चिकित्सकों की मदद करने में एम्पाग्लिफ्लोज़िन की आवश्यक भूमिका निभाने की मंजूरी और क्षमता को लेकर काफी उत्साहित हैं। यह भारत में अधूरी चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने वाले नवाचारी समाधान लाने की हमारी प्रतिबद्धता पर भी जोर देता है।"

अज्ञात वाहन ने पंजाब के युवक को कुचला

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। कस्बा घरौंडा में नेशनल हाईवे पर लिबर्टी के सामने एक अज्ञात वाहन ने पंजाब के युवक को कुचल दिया, जिससे मौके पर ही युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक मूल रूप से पंजाब का रहने वाला था और पानीपत रिऊाइनरी दद्दलाना में लेबर का काम करता था। घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज में भेज दिया। पुलिस ने परिजनों की शिकायत के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान शमशेर सिंह पुत्र नरेंद्र सिंह के रूप में हुई। मृतक पंजाब के जिला अमृतसर के गांव लोहगढ़ का रहने वाला था, जो कई सालों से दद्दलाना के नजदीक रिफाइनरी में लेबर का काम करता था। शमशेर शुक्रवार को रिफाइनरी में अपना काम करने के बाद घर के लिए चला था। मृतक के पिता नरेंद्र ने शिकायत में बताया है कि उन्हें किसी ने फोन पर सूचना दी कि उनके बेटे का शव लिबर्टी फैक्टरी के सामने पड़ा है। इसके बाद मैं मौके पर पहुंचा और देखा उसके बेटे को वाहन द्वारा कुचला गया था। उसके पेट व टांगों से भारी वाहन के पहिए उतरे हुए थे।

योग का मतलब है जोड़ना, खुद में ऊर्जा को समाहित करना : दिनेश गुलाटी

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। मेरा मिशन स्वस्थ भारत के तहत मिशन के प्रमुख दिनेश गुलाटी के नेतृत्व में शिक्षक देवेश भाटिया द्वारा नवनिर्मित शेड में चार दिवसीय योग शिविर के दूसरे दिन राजेश अग्घी पूर्व डिप्टी मेयर एवम वार्ड की पूर्व पार्षद मेघा भंडारी ने शिरकत की।

मेघा भंडारी ने दिनेश गुलाटी और उनकी टीम को बधाई दी और महिलाओं के लिए एक शाम की योग कक्षा खोलने के लिए प्रस्ताव रखा। इसके बाद राजेश अग्घी ने भी नए शेड की बधाई एवम शुभकामनाएं दी और दिनेश गुलाटी और उनकी टीम की योग के प्रति समर्पण की सराहना की।

योग सत्र की शुरूआत गुलाटी ने योगिंग जोगिंग, सूक्ष्म व्यायाम, ताड़ासन, त्रिकोणासन, वीरभद्रासन से करवाते हुए लाभ बताए। उपस्थित सभी शिक्षकों ने पूरा सहयोग दिया। योग प्राणायाम का अभ्यास करवाते हुए गुलाटी ने कहा कि योग करते हुए कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। सर्वप्रथम योगाभ्यास प्रशिक्षित योग शिक्षक के निर्देशन में करना चाहिए। योग करते समय आसन या दरी जरूर बिछाएं और साथ ही आरामदायक वस्त्र डालें। योग करते समय तन की तरह मन भी स्वच्छ होना चाहिए।

इस अवसर पर शिक्षक नीलम बठला, वीना धीर, नवीन जिंदल, राजीव शर्मा, अनफ चौधरी, पूनम खन्ना, ममता धवन, भूपिंदर कुमार, रीता कुमारी, नमिता, संध्या, कुमकुम, यशिका, सरोज, राजन भाटिया, गोकुल और अन्य कई साधक मौजूद रहे।

पीएम श्री कुंजपुरा के विद्यार्थियों ने किया आईसीएआर का भ्रमण

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के तहत पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुंजपुरा के विज्ञान और गणित के 50 बुद्धिमता विद्यार्थियों को प्राध्यापक मनजीत कौर व पूजा की अध्यक्षता में आईसीएआर प्रतिष्ठित संस्थान राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संस्थान ब्यूरो करनाल का भ्रमण करवाया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य सतबीर सिंह ने बताया कि इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य छात्रों के अंदर वैज्ञानिक और गणितीय दृष्टिकोण विकसित करना है।

अनुसंधान की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.सोनिया अहलावत ने छात्रों को पशु, आनुवंशिकी, अंडा और जीवाणु विज्ञान तथा उच्च गुणवत्ता वाले पशुओं के संदर्भ में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। छात्रों ने संस्थान के उच्च स्तरीय प्रयोगशालाओं और तकनीकी संस्थानों का भी अध्ययन किया। यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अपने आप में एक विशेष भ्रमण था।

'एम्स की सौगात से मिलेगा प्रदेश के जन-जन को लाभ'

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। नीलोखेड़ी के विधायक धर्मपाल गोंदर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले लंबे समय से चली आ रही एम्स की डिमांड को पूरा करते हुए नई सौगात दी है। इससे प्रदेश के जन-जन को इसका लाभ मिलेगा। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की ओर उठाया गया कदम है।

विधायक धर्मपाल गोंदर शुक्रवार को विकसित भारत-विकसित हरियाणा के तहत नीलोखेड़ी की अनाज मंडी में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि के रूप में पहुंचे थे। इस कार्यक्रम में नीलोखेड़ी के पूर्व विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की। इस दौरान रेवाड़ी से प्रधानमंत्री का लाइव संबोधन आमजन ने सुना।

धर्मपाल गोंदर ने कहा कि हरियाणा के लिए आज ऐतिहासिक दिन है। आज प्रदेश को प्रधानमंत्री ने 9770 करोड़ रुपये की 9 परियोजनाओं की सौगात दी है। एम्स की डिमांड पिछले काफी समय से थी। प्रधानमंत्री ने इसे पूरा करते हुए इसकी आधारशिला रखी है। इससे भविष्य में आमजन को सीधे लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं आम आदमी के लिए मूलभूत आवश्यकता है। अच्छी व बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल निरंतर कार्य कर रहे हैं। हरियाणा के प्रत्येक जिले में कम से कम एक मेडिकल कॉलेज या तो खोल दिया गया है या फिर उसके निर्माण के लिए कार्य शुरू हो गया है।

उन्होंने इन विकास परियोजनाओं के उद्घाटन व शिलान्यास के मौके पर पूरे प्रदेशवासियों को बधाई दी। नीलोखेड़ी के पूर्व विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार देश और प्रदेश को योजनाओं की सौगात दे रहे हैं। इसी कड़ी में आज रेवाड़ी से एम्स के साथ-साथ अनेकों विकास परियोजनाओं का तोहफा प्रदेशवासियों को दिया है। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गर्व और हर्ष का विषय है, जो प्रदेश को 9 बड़ी परियोजनाएं पीएम के हाथों मिली हैं। उन्होंने कहा कि एम्स के निर्माण होने से दूर-दूर के लोग इसका लाभ उठाएंगे। न केवल प्रदेश बल्कि दूसरे राज्यों के लोग भी इसका लाभ लेंगे।

उन्होंने कहा कि मेट्रो परियोजना की सौगात भी दी है, जो नए गुरुग्राम को पुराने गुरुग्राम से जोड़ेगी, इससे यात्रा का समय बचेगा। उन्होंने कहा कि जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बागडोर संभाली है।

श्री गणेश राजगोपालन ने 'दिस मोमेंट' के साथ 'सर्वश्रेष्ठ वैश्विक संगीत एल्बम' के लिए ग्रैमी पुरस्कार जीता

नई दिल्ली। उस्ताद जाकिर हुसैन जी और जॉन मैकलॉघलिन के नेतृत्व में वायलिन वादक श्री गणेश राजगोपालन ने प्रसिद्ध फ्यूजन बैंड 'शक्ति' ने अपनी नवीनतम उत्कृष्ट कृति 'दिस मोमेंट' के साथ 'सर्वश्रेष्ठ वैश्विक संगीत एल्बम' के लिए ग्रैमी पुरस्कार जीता। चेन्नई के रहने वाले, श्री गणेश अपने भाई, कुमारेश के साथ पांच दशकों से अधिक की संगीत प्रतिभा लेकर प्रसिद्ध वायलिन जोड़ी गणेश कुमारेश बनाते हैं। भारतीय शास्त्रीय संगीत में उनकी विरासत ने इस शैली पर एक अमिट छाप छोड़ी है। श्री गणेश का योगदान शक्ति से भी आगे तक फैला हुआ है; वह भारत में वाद्य संगीत के लिए अपनी पहचान बनाने में अग्रणी हैं। इलियाराजा, एआर रहमान और कीरावनी जैसे आइकनों के साथ सहयोग करते हुए, श्री गणेश की रचनाएँ नवीनता की सीमाओं को आगे बढ़ाते हुए, कर्नाटक संगीत के साथ शैलियों का सहज मिश्रण करती हैं। उनकी उपलब्धियों में प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार शामिल है, जो प्रदर्शन कला में उनकी महारत का प्रमाण है। ग्रैमी जीत पर विचार करते हुए, श्री गणेश ने बैंड के प्रति आभार व्यक्त किया और जाकिर हुसैन जी और जॉन मैकलॉघलिन जी द्वारा उन पर दिए गए विश्वास को स्वीकार किया। उन्होंने टिप्पणी की, "भारतीय शास्त्रीय संगीत मेरी यात्रा का अभिन्न अंग रहा है, और यह जीत इसका गौरव है क्योंकि हम वैश्विक दर्शकों के लिए संगीत की उत्कृष्ट कृतियों का निर्माण जारी रख रहे हैं।" श्री गणेश राजगोपालन, एक प्रदर्शनकारी कलाकार, संगीतकार, शिक्षक और ईश्वरा स्कूल ऑफ म्यूज़िक के संस्थापक, कलात्मक उत्कृष्टता की भावना का प्रतीक हैं और अपनी संगीत प्रतिभा से पीढ़ियों को प्रेरित करते रहते हैं।

इंटरलोकिंग टाइलें बिछाने के कार्य का हुआ शुभारंभ

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। वार्ड नंबर तीन की राजीव पुरम कालोनी की अंतिम तीन गलियों में इंटरलोकिंग टाइलें बिछाने के कार्य का शुभारंभ किया गया। गुरू रविदास भवन व शिव मंदिर के सामने वाली गली और अनाथाश्रम के सामने वाली गली व अटल पब्लिक स्कूल के सामने वाली गली में इंटरलोकिंग टाइलें बिछाई जाएंगी। यह कार्य करीब 45 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा। इस कार्य का शुभारंभ रविदास महासभा के प्रधान चमेल सिंह भोला व राम कुमार सेवादार द्वारा किया गया।

राजीव पुरम वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान बीएल टेकारिया ने बताया कि यह इन गलियों में टाइल बिछाने का कार्य पिछले तीन सालों से लंबित पड़ा था। वार्ड-3 के पूर्व पार्षद प्रतिनिधि पप्पू लाठर के अथक प्रयास तथा राजीव पुरम वेलफेयर एसोसिएशन के भरपूर सहयोग से यह कार्य संभव हो पाया है।

टाइलें बिछाने के बाद दोनों मंदिरों में पूजा अर्चना के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को भी इसक पूरा लाभ मिलेगा। लोगों ने इसके लिए सरकार का आभार व्यक्त किया।

ग्रामीण भारत बंद का आह्वान सफल रहा

टीम एक्शन इंडिया/करनाल /राजकुमार प्रिंस। संयुक्त किसान मोर्चा व केंद्रीय ट्रेड यूनियनों की ओर से घोषित ग्रामीण भारत बंद का आह्वान सफल रहा। ग्रामीणों ने शहर व खेतों से दूरी बनाए रखी। ग्रामीण भारत बंद के साथ-साथ सभी किसान, मजदूर व कर्मचारी संगठनों ने सडकों पर उतरकर सांझे तौर पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए अपनी आवाज को बुलंद किया।

इसी के चलते करनाल में भी किसान, मजदूर व विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने सीएम सिटी की सडकों पर उतर कर अपनी एकता की ताकत का अहसास करवाया। प्रदर्शन के दौरान सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए रोष जताया। गौरतलब है कि किसान आंदोलन की लंबित मांगों को लेकर व मजदूर व कर्मचारियों की मांगों को लेकर यह प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन से पूर्व भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता किसान भवन में एकत्रित हुए। किसान भवन में किसान पंचायत का आयोजन किया गया। इसके पश्चात भाकियू प्रदेशाध्यक्ष रतन मान की अगुवाई में किसान भवन से नारेबाजी करते हुए कर्ण पार्क पहुंचे।

किसान, मजदूर व कर्मचारियों ने कर्ण पार्क से लेकर घंटाघर चौक तक रोष मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने मांग करते हुए कहा कि कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाए व कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल की जाए तथा किसानों के लिए खरीद गारंटी का कानून बनाया जाए। रतन मान ने कहा कि यदि सरकार ने उनकी मांगों को पूरा नहीं किया तो आंदोलन जारी रहेगा। सरकार जानबूझकर किसान, मजदूर, कर्मचारियों की मांगों की लगातार अनदेखी कर रही है, जिसके लिए आज देश के सभी वर्ग परेशान है। इसलिए किसान, मजदूर, कच्चे-पक्के कर्मचारी लगातार आंदोलन करने के लिए मजबूर है।

करनाल में किसानों ने तीन घंटे कराए टोल प्लाजा फ्री

सरकार किसानों की मांगें मान ले, बुलावा आया तो जाएंगे : गुरनाम सिंह चढूनी

टीम एक्शन इंडिया/करनाल /राजकुमार प्रिंस। भारत बंद के आह्वान के बीच करनाल में आज तीन घंटे टोल प्लाजा फ्री किया गया। करनाल के बसताड़ा टोल प्लाजा और प्यौंत टोल प्लाजा दोनों पर किसानों ने 12 से 3 बजे तक धरना दिया और इस दौरान जो वाहन यहां से गुजरे, उनको बिना टैक्स के निकलवाया। वहीं करनाल में आज भारत बंद का असर भी मिला जुला दिखाई दिया। सर्व कर्मचारी महासंघ द्वारा किसानों के भारत बंद का समर्थन दिया है।

इस बीच भाकियू नेता गुरनाम सिंह चढूनी करनाल के बसताड़ा टोल पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की मांगें मान ले। किसानों की मांगें सही हैं। बॉर्डर ऐसा बना दिया, जैसे कोई हो जंग। चढूनी ने संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं पर भी निशाना साधा और कहा कि हम किसानों की मांगों का समर्थन करते हैं। वहां इसलिए नहीं गए कि कोई बुलाएगा तो जाएंगे। लोग आरोप लगाते हैं कि राजनीति करते हैं, लेकिन संयुक्त किसान मोर्चा के नेता जब बनाए थे, वह भी राजनीति करते थे। हमारा समर्थन है, लेकिन अगर बुलाएंगे तो जाएंगे। बाकी आगे की आगे देखेंगे।

विरोध

8 हमारा समर्थन है, लेकिन अगर बुलाएंगे तो जाएंगे। बाकी आगे की आगे देखेंगे: गुरनाम सिंह चढूनी

चढूनी ने एक बार फिर किसानों को राजनीति का हिस्सा बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब तक किसान राजनीति में किसी पद पर नहीं होगा, तब तक उसे अपना हिस्सा नहीं मिलेगा। किसान अपना नेता चुनकर लोकसभा या विधानसभा में भेजें, ताकि वह किसानों की आवाज बने। अगर किसी किसान नेता को वोट नहीं देना चाहते तो किसी ऐसे नेता को वोट दे दो, जो किसानों की मांगों को पूरा करने का पक्का वायदा करता हो।

जगजीत सिंह डल्लेवाल ने मोदी की लोकप्रियता को लेकर ब्यान दिया, जिस पर चढूनी ने कहा कि किसान आंदोलन किसानों की मांगों को लेकर है और पूरे देश का किसान डल्लेवाल के पीछे नहीं है। आंदोलन में तो 20 किसान नेता और बैठे हुए हैं, एक व्यक्ति के ब्यान को इतना ज्यादा हाईलाइट नहीं करना चाहिए।

विधायक व डीसी ने किया कुटेल मेडिकल यूनिवर्सिटी का दौरा

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस

कुटेल में निमार्णाधीन पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय का विधायक हरविंद्र कल्याण व डीसी अनीश यादव ने अधिकारियों के साथ दौरा किया तथा चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया । विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रगतिशील व दूरदर्शी सोच का ही यह नतीजा है कि करनाल ज़िले के कुटेल गाँव में मेडिकल यूनिवर्सिटी की सौगात क्षेत्र को मिली है जिसके पूरा होने के बाद लोगों को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध होंगी। विभाग के अधिकारियों के अनुसार

इस यूनिवर्सिटी में आठ सुपर स्पेशलिटी अस्पताल बनेंगे तथा शुरूआती चरण में ओपीडी सेवाओं को शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल का सपना है कि समाज की पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं के साथ साथ बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचें। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश के प्रत्येक जिले में या तो मेडिकल कॉलेज खोले जा चुके हैं।

हेल्थ प्लस

अमृतफल अमरूद

अमरूद स्वास्थ्य की दृष्टि से उपयोगी फल है। इससे स्नायुमंडल, पाचन संस्थान, दिल और दिमाग को बल मिलता है। इससे हमें विटामिन सी, फाइबर, कैल्शियम, फास्फोरस और पोटैशियम की प्रचुर मात्रा प्राप्त होती है। पौष्टिकता से भरपूर होने के कारण इसे संस्कृत में अमृतफल कहा जाता है। अमरूद कभी छीलकर नहीं खाना चाहिए, क्योंकि इनमें विटामिन सी काफी मात्रा में होता है, जो दांतों और मसूड़ों के रोगों और जोड़ों के दर्द में बहुत उपयोगी है। पके अमरूद की अपेक्षा कच्चे अमरूद में विटामिन सी अधिक मात्रा में पाया जाता है। खाना खाने के पहले अमरूद के नियमित सेवन से कब्ज की शिकायत नहीं होती। अमरूद के प्रयोग से सेरम कोलेस्ट्रॉल घटा कर हाई ब्लड प्रैशर से बचाव किया जा सकता है। इसके बीजों को खूब चबा-चबा कर खाने से शरीर को आयरन की आपूर्ति होती है। अमरूद के पेड़ की जड़ें, तने, पत्ते सभी दवा बनाने में काम आते हैं। पेटदर्द में अमरूद का सफेद गूदा नमक के साथ खाने से लाभ मिलता है। पुराने जुकाम के रोगी के लिए आग में भुना हुआ गरम अमरूद नमक और काली मिर्च के साथ स्वास्थ्य लाभ दे सकता है।

सुंदर बालों के लिए भृंगराज

भृंगराज संस्कृत का शब्द है, जिसका अर्थ है- वह जो बालों को चमकीला रंग प्रदान करता है। यह बालों की ग्रोथ बढ़ाता है और उन्हें काले व घने बनाता है। बालों को समय से पहले सफेद होने और गंजे होने से बचाने में भृंगराज सहायता करता है। इसका स्वाद तीखा और कड़वा होता है। यह इंटरनली और एक्सटर्नली दोनों तरह से ही फायदेमंद है। इंटरनली भृंगराज कई बीमारियों में लाभदायक है। म्यूकस कम करता है और अस्थमा व खांसी में सांस लेने में राहत पहुंचाता है। यह भूख और पाचन शक्ति बढ़ाता है। इसके सेवन से स्मरण शक्ति व आंखों की रोशनी तेज होती है। यह दांतों और त्वचा के रोगों में फायदेमंद है। यह सबसे बढ़िया ब्लड प्यूरीफायर्स में से एक है। सोजिश और दर्द होने पर इसका लेप लगाने से आराम मिलता है। भृंगराज का पेस्ट लगाने से क्रोनिक व संक्रमित जख्म बेहतर ढंग से साफ किए जा सकते हैं और वे जल्दी ही भर भी जाते हैं। इसके ताजा जूस के साथ सिर की मसाज करने से सिर दर्द दूर हो जाता है।

कैंसर से बचाव के लिए करें संतुलित भोजन

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा यह पाया गया है कि संतुलित भोजन द्वारा कैंसर से बचा जा सकता है। कैंसर के बढ़ते मामलों में से 40 प्रतिशत को संतुलित भोजन एवं नियमित शारीरिक व्यायाम कर तथा धूम्रपान, तंबाकू, गुटखे से दूर रहकर नियंत्रित किया जा सकता है। वैसे भोजन एवं पथ्य-अपथ्य का सभी रोगों में महत्व है। पथ्य-अपथ्य के पालन से सभी बीमारियों का नियंत्रण सरल हो जाता है। कैंसर के मामले में भी ऐसा ही है। कैंसर ज्ञात हो जाए तो उसका जांच उपरांत निदान अवश्य कराएं एवं जांच व उपचार से कतराएं नहीं।

कमर दर्द के लिए पिन होल सर्जरी

आजकल युवाओं में डिस्क (कमर) दर्द की शिकायत आम बात हो गई है। डिस्क के दर्द का मुख्य कारण व्यस्त व अनियमित दिनचर्या है। डिस्क पेन आगे झुकने से, वजन उठाने से, झटका लगने से, गलत तरीके से उठने-बैठने व सोने से, इसके अलावा व्यायाम के अभाव एवं पेट आगे निकलने के कारण भी हो सकता है। वास्तव में मानव के रीढ़ की बनावट ही है, जिसकी वजह से वह इस धरती पर राज कर रहा है। दरअसल हमारी रीढ़ की बनावट साइकिल की चेन के समान लचीली होती है न कि लाठी की तरह सीधी।

यही कारण है कि हमारा आगे-पीछे, दाएं-बाएं झुकना संभव हो पाता है? स्पाइन (रीढ़) पूरे शरीर में 33 खंडों में बंटा होता है। प्रत्येक खंड को वर्टिब्रा (मेरुदंड) कहते हैं। प्रति दो खंडों के बीच में एक डिस्क होती है, जो वर्टिब्रा को हुक की तरह जोड़कर रखती है। रीढ़ के पीछे स्पाइन कैनाल होता है जिसके भीतर नसें मस्तिष्क से पैर की ओर गुजरती हैं। स्पाइन का वजन काफी कम होता है, पेकस्थल के बीच डिस्क बहुत ही व्यवस्थित ढंग से फिट रहती हैं और डिस्क वर्टिब्रा पर अंकुश कायम रखती हैं अगर किसी कारण से वर्टिब्रा आगे की तरफ खिसकती है तो यह स्थिति मरीज के लिए बहुत घातक होती है। कमर दर्द का आज की तारीख में सबसे बेहतर इलाज है पिन होल सर्जरी, जिसके बारे में गंगाराम अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डा. सतनाम सिंह छाबड़ा सलाह देते हैं कि नई उपलब्धियों के कारण अब डिस्क (कमर) दर्द का इलाज लेजर डिस्केटॉमी द्वारा सफलतापूर्वक किया जा सकता है। इस तकनीक द्वारा उन रोगियों का इलाज भी सफलतापूर्वक किया जा सकता है जिन्हें सामान्य इलाज से कोई राहत नहीं मिलती। इस प्रक्रिया का कोई हानिकारक इसर भी नहीं है।

खेलोगे-कूदोगे तो बनोगे लाजवाब

खेलने से बच्चे फिजिकली और मेंटली चुस्त-दुरुस्त रहते हैं और उनका सामाजिक जीवन भी बेहतर बनता है। बढ़ती उम्र में गंभीर बीमारियों से बचने के लिए बचपन से ही रोजाना खेल-कूद को अपनी हैबिट बना लें...

किसी वक्त कहा जाता था- 'पढ़ोगेलि खोगे, तो बनोगे नवाब, खेलोगे- कूदोगे, तो बनोगे खराब।' लेकिन अब कहा जाता है- '...खेलोगे-कूदोगे, तो बनोगे लाजवाब।' इसका कारण है उम्र बढ़ने के साथ होने वाली कई गंभीर बीमारियां, जिनका प्रमुख कारण है फिजिकली एक्टिव न होना।

बच्चे जब छोटी उम्र से ही कार्टून चैनल्स और प्लेइंग गैजेट्स की बजाय क्रिकेट, फुटबॉल, टैनिस, बैडमिंटन जैसे आउटडोर गेम्स में रुचि लेने लगते हैं, तो इससे न सिर्फ उनकी फिजिकल व मेंटल हैल्थ इम्प्रूव होती है, बल्कि पढ़ाई में भी उनका प्रदर्शन बेहतर होता है। जब बच्चे कंप्यूटर पर गेम्स खेलते हैं, तो बंद कमरे में खेलने के कारण उनका जीवन की वास्तविक सच्चाईयों से सामना नहीं होता, लेकिन बाहर मैदान में दोस्तों के साथ खेलते हुए वे जिंदगी की चुनौतियों को जान-समझ लेते हैं और अपनी समझ-बूझ से उनका दृढ़ता से सामना भी करना सीख जाते हैं।

हैल्थ बेनेफिट्स

फ्लेक्सिबिलिटी: जब बच्चे फुटबॉल, बैडमिंटन, स्वीमिंग आदि खेल खेलते हैं, तो उनके ज्वाइंट्स के आस-पास मूवमेंट होने लगता है। इसी मूवमेंट के कारण उनके शरीर की फ्लेक्सिबिलिटी तेजी से बढ़ती है।

ग्लैंड्स पर प्रभाव: जब बच्चे सुबह खुले मैदान में दौड़भाग वाले खेलों में भाग लेते हैं, तो उनके शरीर में थायरॉइड ग्लैंड, पिट्यूटरी ग्लैंड, एड्रीनल ग्लैंड आदि से हार्मोन का सिक्रीशन समुचित मात्रा में होता है। इससे बच्चे के शरीर का विकास सही तरीके से होता है।

इम्यून सिस्टम: कुछ बच्चों में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होती है और वे अक्सर सर्दी-खांसी से परेशान रहते हैं। लेकिन यदि वे रोजाना दौड़-भाग वाले खेलों में भाग लेते हैं, तो इससे उनका इम्यून सिस्टम मजबूत होता है व बीमारियों से लड़ने की क्षमता भी बढ़ती है।

ब्लड सर्कुलेशन: दौड़-भाग वाले खेलों में हिस्सा लेने से बच्चों के शरीर में ब्लड सर्कुलेशन सही तरीके से होने लगता है। इससे न सिर्फ शरीर हैल्दी बनता है, बल्कि कई बीमारियों का खतरा भी कम हो जाता है।

हार्ट बीट: आउट डोर गेम्स से हार्ट-बीट यानी सांस लेने की गति बढ़ जाती है। इससे शरीर के सभी सैल्स तक ऑक्सीजन पहुंचने की प्रक्रिया इम्प्रूव होती है। धीरेधीरे जब बच्चे इन खेलों में अभ्यस्त हो जाते हैं, तो उनकी हार्ट बीट सामान्य होने लगती है। इससे भविष्य में हार्ट डिसीज होने का खतरा कम हो जाता है।

स्टेमिना: फुटबॉल, क्रिकेट, स्वीमिंग, टैनिस इत्यादि खेलों से बच्चों का स्टेमिना लगातार बढ़ता जाता है। खेलने से भूख भी बढ़िया लगती है और भोजन भी आसानी से हजम हो जाता है। इससे उनकी काम करने और पढ़ने की एफिशिएंसी भी बढ़ जाती है।

मेंटल हैल्थ : खेलने से बच्चों के अंदर कम्पीटिशन की भावना पैदा होती है। कम्पीटिशन की भावना उन्हें दिमागी तौर पर मजबूत बनाती है। जब बच्चे मेंटली स्ट्रॉन्ग होंगे, तो वे सही फैसला ले पाएंगे। हार सहने की ताकत उन्हें खेल के मैदान से ही मिलती है। वे जान लेते हैं कि जीत की इतनी खुशी नहीं मनानी चाहिए कि दूसरों को दुख हो और न ही हार का इतना दुख होना चाहिए कि दोबारा खेल ही न सको। यही टॉलरेंस उन्हें भावी जिंदगी में भी तनावों से दूर रखती है। जिन लोगों में सहनशीलता नहीं होती, वे जल्दी ही स्ट्रैस के शिकार हो जाते हैं।

सोशल बेनेफिट्स

सोशल को-ऑपरेशन: जब बच्चा घर की चारदीवारी के भीतर ही रहता है, तो उसका सामाजिक दायरा भी सिमट कर रह जाता है, लेकिन जब वह दूसरे बच्चों के साथ प्ले-ग्राउंड पर खेलने जाता है, तो वहां वह नए बच्चों के साथ दोस्ती करता है और उसमें धीरे-धीरे सहयोग की भावना विकसित होती है।

अनुशासन : खेल बच्चों को अनुशासित बनाता है। खेल में वे समय का महत्व जान जाते हैं। वे जान लेते हैं कि समय निकल जाने पर लकीर पीटने का कोई फायदा नहीं होता। अनुशासित व्यक्ति ही जीवन के हर क्षेत्र में सफल होता है।

टीम-स्पिरिट: सबसे महत्वपूर्ण बात जो खेल बच्चों को सिखाता है, वह है टीम-भावना। वह भावनाओं के समुद्र में ज्यादा नहीं भटकता। यह स्पिरिट उन्हें यही सिखाती है- हार और जीत जीवन के हिस्से हैं या यूं कहें कि यह हमें सिखाती है कि कभी हम गेम जीतते और कभी हम गेम नहीं जीतते, लेकिन हम हारते कभी नहीं हैं। स्पोर्ट्समैन स्पिरिट भविष्य में करियर और प्रोफैशनल लाइफ में भी बेहद महत्वपूर्ण है।

एकाग्रता: खेल बच्चों में एक और गुण का विकास करते हैं, वह है- एकाग्रता। यह गुण ताउम्र बच्चे को जीवन में आगे बढ़ने में सहायक साबित होता है।

जीत का जज्बा: स्पोर्ट्स बच्चे के अंदर जीत का जज्बा पैदा करते हैं। यह एक ऐसा जज्बा है, जो नामुमकिन को मुमकिन बनाने की ललक पैदा करता है। यही ललक न सिर्फ उन्हें खेलों में जीत दिलाती है, बल्कि उनमें जिंदगी की चुनौतियों का सामना करने का साहस भी पैदा करती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। यात्रा का योग बनेगा। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-5-7-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहे। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। जोश में कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो पास रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-7-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित पथ से लाभ होने लगेगा। घर वाले मदद करेंगे। शुभांक-5-7-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दें शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। व्यावसायिक का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यावसायिक अभ्युदय होगा और प्रसन्नताएं बढ़ेंगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पूरा कर लेने का दिन है। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

काकुरो पहेली - 1990

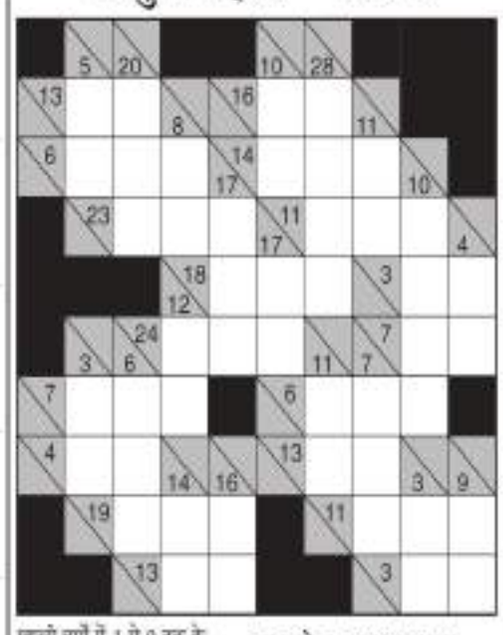

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की ओर जोड़कर हर रंग के आगे वर्गों की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः प्रयोग नहीं किया जा सकता।

उदाहरणार्थ:

16 → 1 2 3 4 6; 6, 8, 9

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 1989 का हल

हंसी के फूव्वारें

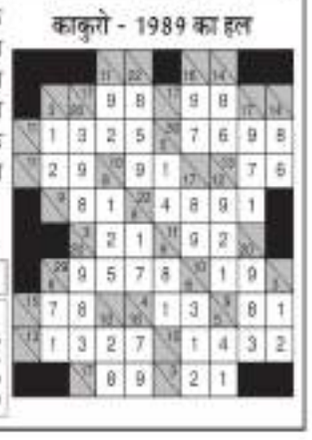

एक अभिनेत्री ने ब्यूटी-क्लीनिक की मालकिन से अपने चेहरे के दाग को मिटाने का रेट पूछा.

'पांच सौ रुपये लगेंगे !'

'पांच सौ तो ज्यादा हैं !'

'फिर ?'

'कोई सस्ता तरीका बताइए !'

'सस्ता नहीं मुफ्त का तरीका है.'

'कृपया जल्दी बताइये !'

'घूंघट निकालना शुरू कर दीजिए! आपका काम मुफ्त में बन जायेगा.'

□ □ □

एक आंखों के डाक्टर ने अपने एक सर्जन मित्र को नजर का चश्मा बनाकर दिया. संयोग से उसी दिन आंखों के डाक्टर को उसी सर्जन से अपना ऑपरेशन करवाना पड़ा.

फिर जब वह ऑपरेशन टेबल पर लेट गया तो सर्जन चश्मा लगाकर बोला- 'रेडी ! मैं तैयार हो गया हूं ! अब तुम बताओ कि तुम कहां हो?'

आंखों का डाक्टर तुरन्त मेज से कूद पड़ा.

□ □ □

प्रशंसिका: ''आपके उपन्यास का अंतिम सीन बहुत अच्छा है.''

उपन्यासकार: ''उपन्यास के आरंभ के विषय में आपका क्या विचार है?''

प्रशंसिका: ''मैं उसे अभी पढ़ना शुरू करने वाली हूं.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1990

बायें से दायें:-

१. मनोज कुमार, वहीदा रहमान की 'ऐ मेरी आंखों के पहले सपने' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'चलो एक बार फिर से अजनबी बन जायें' गीत वाली फिल्म-४
६. ऋषि, डोडेजी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
८. 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
१०. जीतेंद्र, आदित्य, संगीता की १९९३ की एक फिल्म-५
१३. ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१४. 'किसी को किसी' गीत वाली राजेश खन्ना, [illegible] की फिल्म-३
१६. शाहरुख, पूजा भट्ट, [illegible] की फिल्म-३
१९. विवाह से पूर्व टीना अंबानी का सरनेम क्या था-३
२१. अमोल, [illegible] की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
२२. '[illegible]' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
२४. अनिल कपूर, अक्षय खन्ना, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२६. 'ये कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, [illegible] की फिल्म-२
२७. संजय दत्त, कुमार गौरव, पूनम की 'तेरे दिल की तू' गीतवाली फिल्म-२
२९. 'मैं तब तुम से' गीत वाली तुषार कपूर, [illegible] की फिल्म-३
३१. सुनील दत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला तेरी राह तके बृजबाला' गीत वाली फिल्म-४
३२. 'दिल झूम झूम करे' गीत वाली राज बब्बर, [illegible], हिमानी [illegible] की फिल्म-३
३३. धर्मेंद्र, हेमा मालिनी की 'ओ ऐसी कोई बात' गीत वाली फिल्म-१

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, वैजयंती की फिल्म-४
२. 'मेरी नाम [illegible]' गीत वाली फिल्म-३
३. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली फिल्म-२
४. दिनेश [illegible], [illegible] की 'कठ कर हम उन्हें भूल जाने लगे' गीत वाली फिल्म-३
५. फिल्म 'आज का अर्जुन' में 'लक्ष्मी' की भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-३
७. राजेंद्र कुमार, माला सिन्हा की फिल्म-२
९. 'मेरे नैना [illegible]' गीत वाली फिल्म-३
११. अक्षय, सैफ, रवीना, [illegible] की फिल्म-३
१२. अमोल, [illegible] की 'जो राह चुनी तूने वही' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कभी खुशियों की सरगम' गीत वाली अमिताभ, अरबाज, डिम्पल की फिल्म-४
१६. वी. शांताराम की प्रेमकुमार, [illegible], [illegible], गौरी कामथ अभिनीत फिल्म-२
१७. 'प्यार कर इकरार कर' गीत वाली [illegible], अजय, अमीषा की फिल्म-४
१८. अक्षय कुमार, प्रीति जिंटा की फिल्म-३
१९. 'लाख लाख लोगे दूध की' गीत वाली फिल्म-२
२०. फिल्म 'गोड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने निभाई है-३
२३. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२५. आमिर खान, डैनी सिंह की फिल्म-३
२६. 'जिन्हें हम भूलना चाहें वो अक्सर याद आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२८. मनोज बाजपेई, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत रामगोपाल वर्मा की एक सस्पेंस फिल्म-३
३०. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1989

सूडोकु -1990

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक खड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1989 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

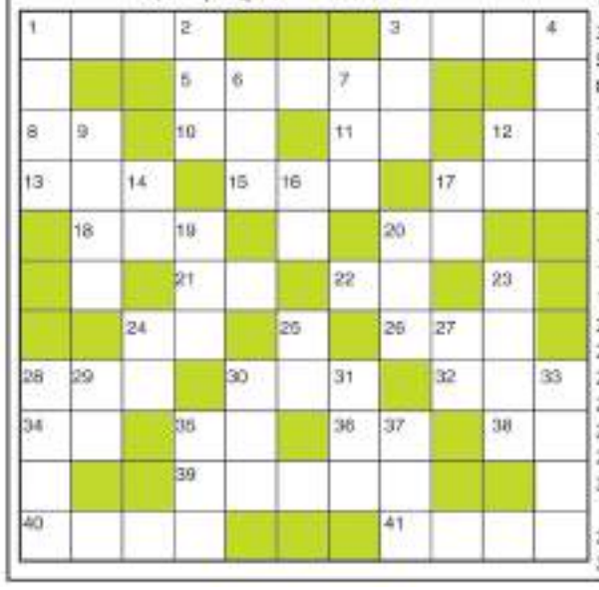

शब्द पहेली - 1990

बाएँ से दाएँ

1. पक्षियों का शोर-4
3. मुठभेड़,भिड़ंत-4
5. क्रोधित होना-5
8. लाश,पार्थिव देह-2
10. नवीन-2
11. सरिता-2
12. संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13. दोजख,नर्क-3
15. नमकीन लवण-3
17. बेकार-3
18. आंचल-3
20. फायदा,लाभ-2
21. चिट्ठी,पत्र-2
22. जी,चित्त-2
24. संपूर्ण-2
26. कुचलना,दबाना-3
28. दाड़म,एक फल-3
30. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32. खिचड़ी,पुलाव-3
34. माँ,माई-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. सौतन-2
38. लौन-2
39. पमकीला-5
40. नसीब,किस्मत-4
41. चुनौती-4

ऊपर से नीचे

1. दलाली-4
2. स्वदेश,जन्मभूमि-3
3. ढोंढी पीटना-3
4. बेमिसाल-4
6. इसमें तलवार रखते हैं-3
7. मापदंड,आदर्श-3
9. इच्छित वस्तु-4
12. लोक,आजिविका-2
14. थोड़ा,जरा-2
16. आनंद-2
17. क्रोधित,रुष्ट-2
19. अदा-3
20. पति की बहन-3
23. मन को हरने वाला-4
24. निष्कर्ष-2
25. उम्मीद-2
27. वोट,अभिमत-2
28. धरोहर,थाती-4
29. रिश्ता-2
30. नकद राशि,रोकड़-3
31. संक्षिप्त,मसविदा-3
33. रीति अनुसार-4
35. अदृढ़,लक्ष्यहीन-3
37. द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली - 1989 का हल

रणजी ट्रॉफी: हार्दिक पंड्या के चहेते ईशान किशन ने दिखाया ठेंगा, BCCI की धमकियों का कोई असर नहीं!

जमशेदपुर. ईशान किशन की रणजी ट्रॉफी से अनुपस्थिति जारी रही जब झारखंड के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाला यह विकेटकीपर बल्लेबाज शुक्रवार को शुरू हुए अंतिम दौर के मैच में भी टीम का हिस्सा नहीं बना। ईशान का यह कदम भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को पसंद नहीं आएगा। ईशान के प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेलने और सिर्फ आईपीएल पर ध्यान केंद्रित करने के कारण बीसीसीआई को खिलाड़ियों के इस लुभावनी लीग की नीलामी में हिस्सा लेने का पात्र होने के लिए न्यूनतम रणजी ट्रॉफी मैचों में खेलना अनिवार्य करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

ईशान किशन के अलावा दीपक चाहर भी नहीं खेल रहे रणजी ट्रॉफी

विभिन्न स्थानों पर शुरू हुए अंतिम दौर के मुकाबलों में दीपक चाहर और श्रेयस अय्यर भी अपनी घरेलू टीमों का हिस्सा नहीं हैं। अय्यर को हालांकि कमर और ग्रोइन में समस्या है। इन तीन खिलाड़ियों - ईशान, चाहर और अय्यर- को विशेष रूप से प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपनी-अपनी राज्य टीमों के लिए खेलने के लिए कहा गया था। ईशान की अनुपस्थिति में कुमार कुशाग्र झारखंड के लिए विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

हार्दिक पंड्या के साथ कर रहे बड़ौदा में ट्रेनिंग

छह मैच में केवल एक जीत से 10 अंक जुटाने वाला झारखंड अंतिम दौर में घरेलू मैदान पर राजस्थान से खेल रहा है। ईशान जिस तरह से 'यात्रा की थकान' का हवाला देकर राष्ट्रीय टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे के बीच से लौटने के बाद से लगातार मैचों से बाहर रहे है, उससे भारतीय क्रिकेट के अधिकारी खुश नहीं है।

इससे भी अधिक यह पता चला कि वह मुंबई इंडियंस के अपने नए कप्तान हार्दिक पंड्या के साथ बड़ौदा में ट्रेनिंग कर रहे थे जबकि उनकी राज्य की टीम रणजी ट्रॉफी में ग्रुप ए तालिका में निचले पायदान पर थी।

ब्रिटेन के क्लब क्रिकेटर पर मैच फिक्सिंग प्रयास में साढ़े 17 साल का प्रतिबंध, जानें पूरा मामला

नई दिल्ली.एजेंसी

ब्रिटेन के क्लब क्रिकेटर रिजवान जावेद को 2021 में अबुधाबी टी 10 लीग के दौरान मैच फिक्स करने के कई प्रयासों के कारण बृहस्पतिवार को साढ़े 17 साल के लिए सभी तरह के क्रिकेट से प्रतिबंधित कर दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के 'इंटीग्रिटी' महाप्रबंधक एलेक्स मार्शल ने एक बयान में कहा, 'रिजवान जावेद

पर पेशेवर क्रिकेटरों को भ्रष्टाचार में शामिल करने के लगातार और गंभीर प्रयासों के लिए लंबा प्रतिबंध लगाया गया।'इसमें कहा गया, 'इस प्रतिबंध से किसी भी स्तर पर क्रिकेट को निशाना बनाने की कोशिश कर रहे उन अन्य भ्रष्टाचार करने वालों को एक कड़ा संदेश जाना चाहिए कि क्रिकेट को भ्रष्ट करने के किसी भी प्रयास से कड़ाई से निपटा जाएगा। 'एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा स्वीकृत अबुधाबी टी 10 लीग 2017 में शुरू की गई थी। रिजवान उन आठ खिलाड़ियों और अधिकारियों में से एक हैं जिन्हें आईसीसी ने पिछले साल सितंबर में ईसीबी की तरफ से आरोपित किया था। बांग्लादेश के ऑलराउंडर नासिर हुसैन भी इन आरोपित में शामिल थे और इस समय दो साल का प्रतिबंध झेल रहे हैं।

रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा की तरह उन्हें करूर होना होगा...

नासिर हुसैन की बेन स्टोक्स एंड कंपनी को खास सलाह

नई दिल्ली.एजेंसी

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का कहना है कि बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लिस टीम को राजकोट टेस्ट के दूसरे दिन करूर बल्लेबाजी करनी होगी। हालांकि इससे पहले उन्होंने भारत को 400 के अंदर समेटने की भी बात की है। राजकोट के सौराष्ट्र स्टेडियम में खेले जा रहे इस मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए पहले दिन का खेल खत्म होने तक 5 विकेट के नुकसान पर 326 रन बोर्ड पर लगा दिए हैं। टीम इंडिया के लिए कप्तान रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा ने शतक जड़े, वहीं सरफराज खान ने 62 रनों की शानदार पारी खेली।

नासिर हुसैन ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, +इंग्लैंड भारत के निचले क्रम को जल्द समेटना चाहेगा। कल सुबह उनके लिए मौका है, लेकिन उन्हें 400 से कम पर आउट करना होगा। भारत इस सीरीज में बाहे से थोड़ा कमजोर रहा है। इंग्लैंड को कुछ विकेट उन्होंने गिफ्ट में दिए और आप देख सकते हैं कि रोहित उस ड्रॉप (कैच छूटने) के बाद अपना विकेट न

देने के लिए पूरी तरह से दृढ़ थे।पूर्व इंग्लिश कप्तान का कहना है कि राजकोट जैसी पिचों पर पहली पारी का स्कोर काफी महत्वपूर्ण होता है, इस वजह से उन्होंने इंग्लैंड की टीम को रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा की तरह करूर बैटिंग करने की सलाह दी है।

बता दें, 33 रनों पर तीन विकेट खोने के बाद भारतीय टीम को इन दोनों ही बल्लेबाजों ने संभालते हुए दोहरे शतकीय साझेदारी की थी।हुसैन ने कहा, यह ऐसी पिच है जहां पहली पारी में रन महत्वपूर्ण होंगे। वहीं पर भारत आज अच्छा था, पहले ही उन्होंने दो शतक लगा दिए हैं। जब इंग्लैंड बल्लेबाजी के लिए आएगा, तो उन्हें रोहित और जडेजा की तरह करूर होना होगा। पिछले गेम में कई बल्लेबाजों को अच्छी शुरुआत मिली, लेकिन आप शतकों और बड़े शतकों के साथ टेस्ट मैच जीतते हैं।

उन्होंने आगे कहा, इंग्लैंड के लिए यह एक कठिन दिन रहा है। दिन के अंत में सरफराज [खान] के देर से रन आउट होने से उत्साहित थे लेकिन यह और भी बेहतर हो सकता था। जब रूट ने रोहित का कैच छोड़ा तो भारत का स्कोर 47-3 था। दिन की शुरुआत बहुत अच्छी हुई थी, इंग्लैंड के दो-सीमर असाधारण थे - विशेष रूप से खुड, जब टीम में वापस आ रहे थे।

क्रिकेटर युवराज सिंह के घर हुई चोरी, मां शबनम सिंह ने लगभग 6 महीने बाद दर्ज कराया FIR

नई दिल्ली. भारतीय विश्व विजेता ऑलराउंडर युवराज सिंह के घर एक बड़ा हादसा हो गया है। पंचकूला में युवराज सिंह की मां शबनम सिंह के घर में सेंधमारी की गई है। यह घटना छह महीने पहले की है, लेकिन अब जाकर मामला दर्ज कराया गया है। शबनम सिंह ने एमडीसी थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि उनके घर से सोने के गहने और 75,000 रुपये की चोरी हुई है। रिपोर्ट की मानें तो चोरों ने 2023 में गहने और कैश पर हाथ साफ किया था।

उन्होंने अपनी शिकायत में कहा है कि घर में दो नौकर थे, जिन पर चोरी का शक है।

नौकरों की पहचान ललिता देवी और शीलेन्द्र दास के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। शबनम सिंह ने बताया कि वह कुछ समय के लिए गुड़गांव में रहने गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, कुल 1 लाख 75 हजार रुपये की संपत्ति चुराई गई है।जब वह 5 अक्टूबर, 2023 को अपने घर लौटीं तो देखा कि मकान की ऊपरी मंजिल के कमरे से गहने और पैसे गायब हैं।

BCCI और जय शाह की चेतावनी के बावजूद नहीं सुधरे ईशान किशन, रणजी ट्रॉफी से उनकी अनुपस्थिति जारी

नई दिल्ली.एजेंसी

ईशान किशन की रणजी ट्रॉफी से अनुपस्थिति जारी है। झारखंड के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने शुक्रवार को शुरू हुए मैचों के अंतिम दौर के मुकाबले में हिस्सा नहीं लिया। एलिट ग्रुप ए में झारखंड का मुकाबला राजस्थान से जारी है, लेकिन ईशान यह मैच नहीं खेल रहे हैं। ईशान पिछले साल दक्षिण अफ्रीका दौरे से ही एक्शन से गायब है। हाल ही में वह बड़ौदा में हार्दिक पांड्या और

करुणाल पांड्या के साथ आईपीएल के लिए अभ्यास करते पाए गए थे।हेड कोच राहुल द्रविड़ समेत टीम मैनेजमेंट और बीसीसीआई ने उन्हें टीम में वापसी के लिए रणजी खेलने की सलाह दी थी। जय शाह ने भी हाल ही में केंद्रीय अनुबंध वाले खिलाड़ियों को चेतावनी भी दी थी कि उनके नखरे नहीं चलेंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए टीम से बाहर चल रहे खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। आईपीएल के लिए भी घरेलू टूर्नामेंट खेलना अनिवार्य किया जा सकता है।

92 साल और 18 प्रयास बाद....न्यूजीलैंड ने टेस्ट क्रिकेट में पहली बार साउथ अफ्रीका को हराई सीरीज; केन विलियमसन बने हीरो

नई दिल्ली.एजेंसी

टिम साउदी की अगुवाई वाली न्यूजीलैंड की टीम ने साउथ अफ्रीका को दूसरे टेस्ट में 7 विकेट से हराकर इतिहास रच दिया है। न्यूजीलैंड ने इस सीरीज में मेहमानों का 2-0 से सूपड़ा साफ करते हुए पहली बार अफ्रीकी टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीती है। जी हां, न्यूजीलैंड को साउथ अफ्रीका के खिलाफ 92 साल में 18 प्रयासों के बाद यह जीत मिली है। केन विलियमसन और विलियम ओ%रुर्के न्यूजीलैंड की इस जीत के हीरो रहे। विलियम ओ%रुर्के ने दोनों पारियों में मिलाकर कुल 9 विकेट चटकाए जिसमें एक 5 विकेट हॉल भी था। वहीं विलियमसन ने दूसरी पारी में 133 रनों की नाबाद पारी खेल।

हैमिल्टन में खेले गए दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड को जीत के लिए 267 रनों का लक्ष्य मिला था। साउथ अफ्रीका के खिलाफ इससे पहले कीवी टीम ने एक भी बार 200 से अधिक रनों के लक्ष्य का पीछा सफलतापूर्वक नहीं किया था। मगर इस बार उन्होंने यह रिकॉर्ड भी तोड़ा। न्यूजीलैंड की यह 250 से अधिक रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथी जीत है। कीवी टीम इससे पहले एक बार बांग्लादेश के खिलाफ तो दो बार पाकिस्तान के खिलाफ यह कारनामा कर चुकी है।बता दें कि इस मैच की पहली पारी में साउथ अफ्रीका ने 242 रन बनाए थे। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 211 रन बनाकर ढेर हो गई। 31 रनों की बढ़त के बाद दूसरी पारी में साउथ अफ्रीका ने 235 रन बनाए और इस तरह कीवी टीम को 267 रनों का लक्ष्य दिया। इस मुकाबले में न्यूजीलैंड के लिए विलियम ओराउरके ने डेब्यू किया और उन्होंने टेस्ट डेब्यू की पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 5 विकेट निकाले। इस तरह कुल 9 विकेट उनको इस मैच में मिले और वे देश के लिए टेस्ट डेब्यू में सबसे ज्यादा विकेट निकालने वाले गेंदबाज बन गए।

रविंद्र जडेजा की तारीफ में रवि शास्त्री को क्यों याद आए सर डॉन ब्रैडमैन, क्या है कनेक्शन?

इंडिया वर्सेस इंग्लैंड पांच मैचों की सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम पर 15 फरवरी को शुरू हुआ। मैच का पहला दिन कप्तान रोहित शर्मा, रविंद्र जडेजा और अपना डेब्यू टेस्ट खेल रहे सरफराज खान के रहा। रोहित 131 रन बनाकर आउट हुए, वहीं रविंद्र जडेजा शतक लगाकर नॉटआउट लौटे। सरफराज ने तेज तर्रार 62 रनों की पारी खेली और दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रनआउट होकर पवेलियन लौटे थे। टीम इंडिया ने 33 रनों तक तीन विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद रविंद्र जडेजा को बैटिंग ऑर्डर में पांचवें नंबर पर भेजा गया। जडेजा ने वह फैसला गलत साबित नहीं होने दिया और शतक ठोका। जडेजा अपने होमग्राउंड पर खेल रहे हैं और इस मैदान पर उनका रिकॉर्ड ऐसा है, जो देखकर आपके भी होश उड़

जाएंगे। टीम इंडिया के पूर्व हेड कोच और क्रिकेटर रवि शास्त्री ने कमेंट्री के दौरान जब जडेजा की तारीफ की तो इसमें सर डॉन ब्रैडमैन का भी जिक्र किया। चलिए जानते हैं कि ऐसा क्या खास कनेक्शन है, दोनों का।

मैच के पहले दिन, जब रविंद्र जडेजा अपने शतक के करीब पहुंच रहे थे और आखिरी सेशन का खेल चल रहा था, तब जडेजा के बैटिंग रिकॉर्ड्स स्क्रीन पर दिखाए गए। रवि शास्त्री उस समय कमेंट्री कर रहे थे और उन्होंने कहा, औसत पर जरा नजर दौड़ाइये। रविंद्र जडेजा का यह औसत तो सर डॉन ब्रैडमैन भी ऊपर से देख रहे होंगे। इस मैदान पर रविंद्र जडेजा ने कुल 17 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं, और इस दौरान उनका औसत 135 का है।रविंद्र जडेजा के लिए इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने सोशल मीडिया पर लिखा एक बार फिर रविंद्र जडेजा साबित कर रहे हैं कि क्यों वह मौजूदा समय में दुनिया के बेस्ट ऑलराउंडर हैं। जडेजा 112 रन बनाकर जो रूट की गेंद पर कॉट एंड बोल्ड हुए। इस पारी के दौरान रविंद्र जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में 3000 रनों का आंकड़ा भी पार कर लिया।

भारत पर लगी 5 रन की पेनल्टी तो इंग्लैंड की हुई बल्ले-बल्ले; अश्विन की इस गलती के चलते अंपायर ने सुनाई सजा

आर अश्विन के पिच के बीच में दौड़ने की वजह से भारत पर 5 रन की पेनल्टी लगी है। रविंद्र जडेजा इस पारी में एक बार पहले यह गलती कर चुके थे जिस वजह से दूसरी बार भारत को वॉर्निंग नहीं दी गई।

नई दिल्ली.एजेंसी

इंडिया वर्सेस इंग्लैंड 5 मैच की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच के दौरान अंपायर ने भारत पर 5 रन की पेनल्टी लगाई है। इसका मतलब है कि इंग्लैंड अपनी पारी की शुरुआत 0/0 के स्कोरकार्ड के साथ नहीं बल्कि 5/0 के साथ करेगा। भारत पर यह पेनल्टी आर अश्विन की गलती की वजह से लगी है, हालांकि इसमें रविंद्र जडेजा का भी हाथ है। बता दें, राजकोट टेस्ट में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 7 विकेट के नुकसान पर 369 रन बना लिए हैं। टीम इंडिया की नजरें 400 के पार पहुंचने पर है। क्रीज पर आर अश्विन के साथ ध्रुव जुरेल मौजूद हैं।

भारत पर लगी 5 रन की इस पेनल्टी की बात करें तो यह जुर्माना पिच में दौड़ने की वजह से लगा है। भारतीय पारी के 102वें ओवर के दौरान आर अश्विन पिच के बीच में दौड़ते नजर आए जिस वजह से अंपायर ने भारत पर यह पेनल्टी लगाई। मुकाबले के पहले दिन रविंद्र जडेजा एक बार यह गलती कर चुके थे जिस वजह से अश्विन को वॉर्निंग नहीं दी गई।बता दें, पिच के बीच में दौड़ने की वॉर्निंग प्लेयर को नहीं बल्कि टीम को दी जाती है।

पहली बार गलती होने पर अंपायर कोई जुर्माना नहीं लगाते, मगर गलती दोहराने पर टीम पर 5 रन की पेनल्टी लगाई जाती है।5 मैच की यह टेस्ट सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है जिस वजह से यह टेस्ट दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण है। भारत की तीसरे टेस्ट में शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। 33 रन पर टीम ने तीन विकेट खो दिए थे, तब कप्तान रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा ने 200 से अधिक रन की साझेदारी कर टीम को मुश्किल से निकाला। इसके बाद सरफराज खान ने भी शानदार अर्धशतक जड़ा।रोहित शर्मा ने इस दौरान 131 रनों की सर्वाधिक पारी खेली, वहीं रविंद्र जडेजा ने 112 रन बनाए। सरफराज खान की बात करें तो वह 62 के निजी स्कोर पर रन आउट हुए।

सरफराज खान के पिता नौशाद खान को ये SUV कार गिफ्ट करेंगे आनंद महिंद्रा, किया ऐलान

गुरुवार को इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू करने वाले बल्लेबाज सरफराज खान के पिता नौशाद खान को आनंद महिंद्रा ने एक एसयूवी कार थार गिफ्ट करने का फैसला किया है। नौशाद ने काफी मेहनत सरफराज के साथ की है।

नई दिल्ली.एजेंसी

भारत के जाने-माने बिजनेसमैन और ऑटोमोबाइल कंपनी महिंद्रा के ओनर आनंद महिंद्रा ने गुरुवार 15 फरवरी को टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने वाले सरफराज खान और उनके पिता नौशाद खान की तारीफ की है। इतना ही नहीं, आनंद महिंद्रा ने एक बड़ा गिफ्ट सरफराज खान के पिता नौशाद खान को देने का फैसला किया है। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा है कि अगर वे उस गिफ्ट को स्वीकार करेंगे तो उनको अच्छा लगेगा। दरअसल, आनंद महिंद्रा ने एक थार एसयूवी नौशाद खान को देने का निर्णय लिया है। अक्सर वे खिलाड़ियों के लिए ऐसा करते हैं। हालांकि, कुछ मौकों पर खिलाड़ियों के माता-पिता को भी इस तरह से प्रोत्साहित करते नजर आते हैं। हर कोई जानता है कि सरफराज खान का इस सफलता में नौशाद खान का कितना हाथ है। यही वजह है कि नौशाद की मेहनत को आनंद महिंद्रा पहचान रहे हैं और उन्हें गिफ्ट देने की बात कही है।

आनंद महिंद्रा ने गुरुवार 16 फरवरी की दोपहर को एक्स पोस्ट के जरिए सरफराज खान और उनके पिता की तारीफ की। इस दौरान उन्होंने लिखा, +हिम्मत नहीं छोड़ना, बस! कड़ी मेहनत। साहस। धैर्य। एक पिता के लिए एक बच्चे में प्रेरणा देने के लिए इससे बेहतर गुण और क्या हो सकते हैं? एक प्रेरणादायक माता-पिता होने के नाते, यह मेरा सौभाग्य और सम्मान होगा अगर नौशाद खान थार का उपहार स्वीकार करेंगे।सरफराज खान की बात करें तो उन्होंने डेब्यू टेस्ट मैच की पहली पारी में शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 66 गेंदों में 9 चौके और 1 छक्के की मदद से 62 रनों की पारी खेली। वे रन आउट हो गए, क्योंकि रविंद्र जडेजा ने एक गलत कॉल कर दिया था। सरफराज खान तब तक वापस जाते, जब तक मार्क वुड ने थ्रोवरेक्ट हिट करके उनको चलता कर दिया। भारत ने पहली पारी में 445 रन इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट में बनाए।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 17 फरवरी 2024 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

फास्ट न्यूज

दो नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमाः जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान पूना नर्कोम अभियान-नई सुबह, नई शुरूआत के तहत नक्सली संगठन में सक्रिय दो लाख के इनामी नक्सलियों ने गुरुवार को आत्मसमर्पण किया है।सुकमा जिले के किस्टाराम क्षेत्र मे सक्रिय रहे आत्मसमर्पित दोनों नक्सली कई बड़ी नक्सली वारदातों में शामिल थे। नक्सली को आत्मसमर्पण हेतु प्रोत्साहित कराने में डीआरजी सुकमा, आरएफटी कोंटा रेंज, 217 एवं 212 वाहिनी सीआरपीएफ का विशेष योगदान था। सुकमा जिला पुलिस द्वारा शुक्रवार को दी गई जानकारी के अनुसार प्लाटुन नं. 04 सेक्शन कमांडर दिनेश उर्फ जोगा करको पिता स्व. एंका ,उम्र 32 वर्ष ,निवासी कासाराम थाना किस्टाराम व पालाचलमा आरपीसी जनताना सरकार, उपाध्यक्ष माड़वी हुंगा पिता स्व. हुर्रा ,उम्र 35 वर्ष, निवासी मेट्टागुड़ा थाना किस्टाराम जिला सुकमा के द्वारा गुरुवार को आत्मसमर्पण किया गया। इनामी नक्सलियों ने नक्सल ऑपरेशन कार्यालय सुकमा में सीआरपीएफ 217 द्वितीय कमान अधिकारी अरविन्द पी आनन्द, सीआरपीएफ 212 द्वितीय कमान अधिकारी दिनेश कुमार, एएसपी बस्तर फाईटर्स उत्तम प्रताप सिंह के समक्ष बिना हथियार के आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पित नक्सलियों को शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन नीति के तहत सहायता राशि व अन्य सुविधाएं दी जाएंगी।

पश्चिम सिंहभूम में नक्सली कैंप ध्वस्त, तीन आईईडी बरामद

पश्चिम सिंहभूमः जिले के गोइलकेरा और टोंटो थाना क्षेत्र में सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने के लिए नक्सलियों ने टोंटो थाना क्षेत्र में पांच-पांच किलो के तीन इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) लगाया था लेकिन पुलिस ने उसे नाकाम कर दिया, जिससे नक्सलियों के इरादों पर पानी फिर गया। इसके अलावा गोइलकेरा थाना क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा पूर्व में बनाए गए नक्सली कैंप को पुलिस ने ध्वस्त कर दिया। जानकारी के अनुसार पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोंटो थाना क्षेत्र वन ग्राम हुसिपी के आसपास जंगली पहाड़ी क्षेत्र में नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने के लिए पूर्व में पांच केजी का तीन आईईडी लगाया था, जिसे शुक्रवार को सुरक्षा बलों ने बरामद किया।

'प्रदेशवासियों ने कानून व्यवस्था के महत्व को अनुभव किया'

'लॉ एंड आर्डर की स्थिति और सुरक्षा के माहौल को देखते हुए ही दोबारा इस सरकार को चुना'

योगी मॉडल

67वीं ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट के समापन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि प्रदेशवासियों ने पिछले 7 वर्षों में कानून व्यवस्था के महत्व को बखूबी अनुभव किया है। प्रदेशवासियों ने प्रदेश के लॉ एंड आर्डर की बेहतर स्थिति और सुरक्षा के माहौल को देखते हुए ही दोबारा इस सरकार को चुना है। आज हर नागरिक के मन में सुरक्षा का विश्वास है। प्रदेश की मजबूत कानून व्यवस्था का ही परिणाम है कि जीआईएस-23 में 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए जबकि 2017 से पहले प्रदेश में निवेश के लिए कोई आना नहीं चाहता था। मुख्यमंत्री ने 67वीं ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट के समापन समारोह में कहा कि 19 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में 10 लाख से अधिक निवेश के प्रस्तावों को ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के जरिए धरातल पर उतारने जा रहे हैं। इससे 35 लाख नौजवानों को सीधे नौकरी मिलेगी, जो यह दशार्ता है कि संकल्प के साथ कानून व्यवस्था को लागू किया जाए तो उसके परिणाम भी सामने आते हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने स्मारिका का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं के विजेताओं को ट्रॉफी भी प्रदान की। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था और सुरक्षा का बेहतर माहौल बनाने में पुलिस के विभिन्न बलों की अति महत्वपूर्ण भूमिका है। इतना ही नहीं पब्लिक परसेप्शन तय करने में भी पुलिस बल का अहम रोल है। उन्हें यह परसेप्शन बनाने में काफी चुनौतियों का सामना किया है। इसके लिए उन्हें दोहरी मानसिकता के साथ काम करना पड़ता है। वह असामाजिक और अराष्ट्रीय तत्वों के साथ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपने काम को अंजाम तक पहुंचाते हैं, जबकि कॉमन मैन के गुहार लगाने पर संवाद स्थापित कर उन्हें न्याय दिलाते हैं। इससे कॉमन मैन के मन में एक नया विश्वास पैदा होता है। साथ ही यह पुलिस बल की संवेदनशीलता को भी दर्शाता है।

समारोह में देशभर के विभिन्न बलों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया है। उनके अपने-अपने अनुभव हैं। उन अनुभवों का लाभ किस रूप में हम ले सकते हैं यह काफी महत्वपूर्ण है। हमारे देश में ज्ञान के आदान-प्रदान की परंपरा वर्षों पुरानी है। लखनऊ से 70 किलोमीटर दूर नौमिषारण्य है, जो हजारों वर्ष पहले ऋषियों के ज्ञान के आदान प्रदान के मंथन का केंद्र था। यहां पर भारत के वैदिक ज्ञान की परंपरा को लिपिबद्ध करने का काम किया गया था। इसमें पूरे देश भर के 88 हजार ऋषि-मुनि शामिल थे। ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट इसी धरोहर को आगे बढ़ाता है। योगी ने कहा कि ज्ञान वह नहीं होता है जो पुस्तकों में लिखा होता है, जबकि ज्ञान वह है जो फील्ड की ड्यूटी के दौरान आप अनुभव करते हैं।

पुलिस भर्ती परीक्षा: बायोमैट्रिक वेरिफिकेशन के बाद मिलेगी एंट्री

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

योगी सरकार ने प्रदेश की अब तक की सबसे बड़ी यूपी पुलिस भर्ती की परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए फूलप्रूफ प्लान बनाया है। इसके तहत योगी सरकार ने आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती की शनिवार और रविवार को दो पालियों में होने वाली परीक्षा को लेकर कड़े सुरक्षा प्रबंध किये हैं। हर परीक्षा केंद्र पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है जबकि केंद्र में अभ्यर्थियों की संख्या के अनुरूप केंद्र पर्यवेक्षक के रूप में पुलिस उपाधीक्षक से लेकर सब इंस्पेक्टर मौजूद रहेंगे। वहीं सीसीटीवी कैमरों से गहन निगरानी की जाएगी। साथ ही सभी अभ्यर्थियों के बायोमैट्रिक वेरिफिकेशन के बाद भी उन्हे परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया जाएगा। मालूम हो कि योगी सरकार पुलिस बल को और मजबूती देने के लिए 60,244 पुलिस आरक्षी पदों पर भर्ती कर रही है, जिसकी परीक्षाएं 17 और 18 फरवरी को प्रदेश के सभी 75 जनपदों के 2385 सेंटर पर आयोजित की जा रही है। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की रहेगी तैनाती

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड (यूपीपीआरपीबी) की अध्यक्ष डीजी रेणुका मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप परीक्षा के लिए विभिन्न प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों की तैनाती की गई है।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर वार्षिक जीआईबी मीटिंग "लक्ष्य" का दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ करते हुए।

आरएसएस एक सकारात्मक शक्ति : मिथुन चक्रवर्ती

कोलकाताः गुरुवार को विधानसभा में राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने संदेशखाली घटना के पीछे आरएसएस का समर्थन होने की बात कही थी। लेकिन बॉलीवुड स्टार मिथुन चक्रवर्ती ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आरएसएस को एक सकारात्मक शक्ति बताया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि आरएसएस कोई नकारात्मक ताकत नहीं है। यह एक सकारात्मक शक्ति है। पूरे भारत में, पूरी दुनिया में इसके 12 करोड़ से ज्यादा सदस्य हैं। आरएसएस के जैसा कोई दूसरा संगठन नहीं है, जिसने देश के लिए इतना कुछ किया हो। आगामी लोकसभा चुनाव में अपनी दावेदारी को स्वयं खारिज करते हुए बॉलीवुड अभिनेता ने कहा कि वह एक मार्च से चुनाव प्रचार शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि 'मैं एक तारीख से प्रचार करूंगा। मैं चुनाव प्रचार के दौरान अंत तक रहूंगा।

रोहतक-महम-हांसी सेक्शन यूपीए सरकार में हुआ था मंजूरः दीपेन्द्र हुड्डा

निशाने पर

कांग्रेस सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने रोहतक-महम-हांसी सेक्शन पर 11 वर्षों के बाद ही सही रेल सेवा शुरू होने पर संतोष जाहिर करते हुए कहा कि उन्होंने इसको यूपीए सरकार में मंजूर कराया था। 28 जुलाई, 2013 को तत्कालीन रेल मंत्री व मौजूदा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे एवं तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने हांसी में रेल-रोड रैली करके इसका शिलान्यास कर काम शुरू कराया था। उन्होंने कहा कि रोहतक में आज के आयोजित कार्यक्रम में वह शामिल होना चाहता थे, लेकि अधिकारियों ने कहा कि वे अपने विचार नहीं रख सकता, तो क्या मैं भाजपा नेताओं के भाषण पर सिर्फ ताली बजाने जाता। उन्होंने बताया कि इस रेल लाइन को उन्होंने न सिर्फ मंजूर कराया, बजट मंजूर कराया बल्कि इसका शिलान्यास कराकर काम भी शुरू करवाया, लेकिन आज उसके उद्घाटन समारोह पर उन्हें ही बोलने से मना कर दिया गया तो ऐसा लगा कि सरकार उन्हें सिर्फ अपमानित करने के लिए बुला रही है। दीपेन्द्र हुड्डा ने रोहतक-महम-हांसी परियोजना के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि यूपीए सरकार से इस परियोजना को 09-नवम्बर-2011 को योजना आयोग से मंजूर कराया। साथ ही 15 नवम्बर-2011 को कांग्रेस की हुड्डा सरकार ने भूमि की पूरी लागत वहन करने की स्वीकृति दी। वर्ष 2012-13 के रेल बजट में केन्द्र सरकार से फाइनल मंजूरी के साथ 385 करोड़ रुपया आवंटित कराकर 28-जुलाई 2013 को तत्कालीन केन्द्रीय मंत्री मल्लिकार्जुन खडगे और तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने हांसी में रेल-रोड रैली करके रोहतक-महम-हांसी रेल परियोजना का शिलान्यास किया और प्रारम्भिक काम शुरू करा दिया था। इस संबंध में कांग्रेस की तत्कालीन हुड्डा सरकार ने 7 अक्टूबर 2013 एवं 20 दिसंबर 2013 को भूमि अधिग्रहण की धारा 4 तथा 26-जून 2014 को भूमि अधिग्रहण की धारा छह के अन्तर्गत कार्रवाई शुरू कर दी थी। दिसंबर 2015 में मुख्यमंत्री ने इस परियोजना की फाइल गुम होने की बात कही। जिसके बाद मैंने डाक के माध्यम से परियोजना की पूरी फाइल तुरन्त मुख्यमंत्री जी को मुहैया कराई।

टीम एक्शन इंडिया/रोहतक

मंडी में मजदूरों-किसानों ने भरी ललकार

टीम एक्शन इंडिया/मंडी

मजदूर संगठनों के राष्ट्रीय आह्वान पर मंडी में मजदूरों ने पड्डल मैदान से बाजार होते हुए उपायुक्त कार्यालय तक रैली निकाली और मोदी सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। जिसमें किसान सभा, महिला समिति, नौजवान सभा,एसएफआई और एचपीएमआरए ने भी प्रदर्शन में भाग लिया। इस मौके पर भूपेंद्र सिंह ने बताया कि आज की हड़ताल का मु य आह्वान मोदी सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों का विरोध करना, बढ़ती महंगाई पर रोक लगाने के अलावा श्रम कानूनों को रद्द करने के फैसले को वापिस लेना है। इसके अलावा किसानों की फसलों के लिए एमएसपी लागू करना और नए बिजली विधेयक को रद्द करवाना है।

भूपेंद्र सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार आंगनवाड़ी व मिड डे मील कार्यकताओं को सरकारी कर्मचारी घोषित नहीं कर रही है और न ही उन्हें न्यूनतम वेतन दे रही है। इसी प्रकार सरकार ने मनरेगा के लिए बजट जरूरत से आधा ही रखा है। जिसके कारण कहीं पर भी मजदूरों को सौ दिनों का रोजगार नहीं मिल रहा है। यही नहीं केंद्र सरकार मनरेगा मजदूरों को मात्र 212 रु दिहाड़ी ही अदा कर रही है। सरकार ने रेहड़ी फहड़ी वालों के अधिकार के लिए 2014 में बने स्ट्रीट वेंडरज कानून को भी रद्द करने का निर्णय लिया है जिससे इनके रोजगार की गारंटी समाप्त हो जाएगी।

'किसानों के आंदोलन के साथ खड़ी है सपा'

निशाना साधा

किसानों के आन्दोलन के आगे सरकार को झुकना पड़ा था और किसानों की मांगे माननी पड़ी थी,

टीम एक्शन इंडिया/इटावा

समाजवादी पार्टी(सपा) के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने शुक्रवार को केंद्र और प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा है और कहा कि सपा किसानों के आन्दोलन के साथ खड़ी है। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र जसवंतनगर में पत्रकारों से बात करते हुए किसानों के आंदोलन का समर्थन किया। उन्होंने किसानों पर लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दागने पर कहा कि ऐसी सरकार को सत्ता में रहने का अधिकार नहीं है। कहा कि दो साल पहले भी किसानों ने लंबे समय तक आंदोलन किया था,जिसमें कई किसानों की जानें गई थी। उन्होंने कहा कि किसानों के आन्दोलन के आगे सरकार को झुकना पड़ा था और किसानों की मांगे माननी पड़ी थी,लेकिन सरकार ने अभी तक एमएसपी नहीं दी है, जिसके कारण विवश किसानों को फिर से आंदोलन करना पड़ा है।

बॉर्डर सील होने के बाद पेट्रोल पंप हुए खाली

टीम एक्शन इंडिया/झज्जर

चार दिन से किसान आंदोलन के चलते टीकरी बॉर्डर और सेक्टर-9 मोड़ सील होने के कारण व्यापारियों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। टीकरी बॉर्डर पर दिल्ली की सीमा में जहां पेट्रोल और सीएनजी पंप बंद हैं। वहीं बहादुरगढ़ में सेक्टर-9 मोड़ से टीकरी बॉर्डर तक की दोनों तरफ की दुकानदारों का कारोबार ठप हो गया है। टीकरी बॉर्डर पर पंप बंद होने के कारण प्रतिदिन सवा दो करोड़ से ज्यादा का नुकसान संचालकों को हो रहा है। साथ ही पेट्रोल पंप पर काम करने वाले कर्मचारियों को भी अपना रोजगार बंद होने की चिंता सताने लगी है। पेट्रोल पंप खाली पड़े रहते हैं।

टीकरी बॉर्डर पर दोनों तरफ मिलाकर पांच पैट्रोल और सीएनजी पंप है। एक पेट्रोल पंप पर काम करने वाले रिंकू सिंह व विक्की ने बताया कि यहां अब कोई भी गाड़ियां नहीं आ रही है। कर्मचारी पूरे दिन खाली खड़े रहते हैं। पेट्रोल पंप मालिक को लाखों रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है तो यहां काम करने वाले कुछ मजदूर को भी वापस भेज दिया गया है। कर्मचारियों को अपने काम धंधे की चिंता सताने लगी है। किसान आंदोलन कितना लंबा चलता है, इसका कोई अंदाजा नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछली बार भी सवा साल तक पेट्रोप पंप बंद होने के कारण मालिक को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ था।

प्रभावित

टीकरी बॉर्डर से सेक्टर 9 मोड़ तक अधिकतर दुकानें बंद, - टीकरी बॉर्डर पर स्थित है 5 पेट्रोल और सीएनजी पंप

बाद में जब आंदोलन खत्म हुआ और पंप को चालू किया गया तो उसे ठीक करने में भी लाखों रुपये खर्च करने पड़े थे। उनका कहना है कि सड़क पूरी तरह बंद कर देना कहीं से भी समस्या का समाधान नहीं है।

यूजीसी चेयरमैन के सामने उठी आजमगढ़ में महिला विश्वविद्यालय बनाने की मांग

लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम के दूसरे दिन तकनीकी सत्र में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के चेयरमैन ममीदाला जगदीश कुमार के सामने कुलपति, विभागाध्यक्षों, डिग्री के प्राचार्यों द्वारा तमाम विषयों को रखा गया। सत्र में ही यूजीसी चेयरमैन के सामने आजमगढ़ में महिला विश्वविद्यालय, एडेड कालेज को ग्रांट जैसी मांग भी उठी, जिस पर चेयरमैन ने बेबाकी से जवाब दिया। और अच्छे विश्वविद्यालय से भी समिति को नीतिगत विषयों में शामिल करने की मांग रखी।

महिलाएं आत्मनिर्भर तो समाज स्वतः होगा सशक्त : केशव प्रसाद मौर्य

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश के गांव संवर रहे हैं। नये भारत का नया उत्तर प्रदेश निखर रहा है। उपमुख्यमंत्री ने कैम्प कार्यालय में शुक्रवार को विभागीय उच्चाधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान यह बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि सरकार आधी आबादी (महिलाओं) को सशक्त,मजबूत, स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं के जीवन में खुशहाली आयी है। कहा कि समूहों के उत्पाद की गुणवत्ता बढ़ाने,उनकी बिक्री कराने के लिए उचित प्लेटफार्म दिलाने के प्रभावी प्रयास किये जाय तथा उनके समूहों के उत्पादों के सर्टिफिकेशन का भी प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि महिलाएं आत्मनिर्भर होंगी,तो पूरा समाज स्वतः सशक्त और मजबूत हो जायेगा।

'डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने में 'ई कवच' की बेहतर भूमिका'

टीम एक्शन इंडिया/औरैया

ट्रेनिंग

स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश तकनीकी सहयोग इकाई (यूपीटीएसयू) के सहयोग से आयोजित किया गया।

समाधान पुरवा स्थित मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के ट्रेनिंग सेंटर में शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील कुमार वर्मा की अध्यक्षता में ई-कवच एप्लीकेशन पर सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

यह प्रशिक्षण स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश तकनीकी सहयोग इकाई (यूपीटीएसयू) के सहयोग से आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में नियमित टीकाकरण, प्रसव पूर्व व पश्चात देखभाल, परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण रजिस्टर पर विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर सीएमओ ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के लिए ई कवच एप्लीकेशन बेहतर भूमिका निभा रहा है।

विकास सीएम योगी के विजन अनुसार ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने 8 प्रकार के बिल्डर प्लॉट्स की नीलामी प्रक्रिया की शुरू

जीबीसी 4.0 के बाद ग्रेटर नोएडा में बिल्डर प्लॉट्स की होगी बड़े स्तर पर नीलामी

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ/ ग्रेटर नोएडा

प्रक्रिया

38711 स्क्वेयर मीटर प्रसार क्षेत्र वाले प्लॉट्स की आवंटन प्रक्रिया को मिलेगी ई-ऑक्शन से गति

उत्तर प्रदेश में समेकित विकास का खाका खींच रही योगी सरकार ने ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी-4.0) के आयोजन के साथ ही ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में हाउसिंग व कमर्शियल एक्टिविटीज को बढ़ावा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस क्रम में, सीएम योगी के विजन अनुसार ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने 8 प्रकार के बिल्डर प्लॉट्स के आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि 18215 से लेकर 38711 स्क्वेयर मीटर प्रसार क्षेत्र वाले इन प्लॉट्स का रिजर्व प्राइस 83.78 करोड़ रुपए से लेकर 178.34 करोड़ रुपए के बीच निर्धारित किया गया है। खास बात यह भी है कि बिल्डर प्लॉट आवंटन स्कीम के जरिए जिन प्लॉट्स का ऑक्शन किया जाएगा वह ग्रेटर नोएडा में बन रहे जेवर एयरपोर्ट के पास ही स्थित हैं। साथ ही, जिन सेक्टर्स में इस स्कीम के जरिए बिल्डर प्लॉट्स की नीलामी का मार्ग प्रशस्त होगा वह कनेक्टिविटी के लिहाज से भी बेहद अहम होगी। फिलहाल, इस स्कीम के तहत ई-ऑक्शन प्रक्रिया के जरिए जिन प्लॉट्स की नीलामी होनी है उनकी ब्रोशर डाउनलोडिंग व रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो गई है तथा 1 अप्रैल 2024 अंतिम तिथि निर्धारित की गई है।

सेक्टर 12 व सिग्मा-3 समेत कई सेक्टर के प्लॉट्स होंगे आवंटितः सीएम योगी के विजन अनुसार, ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने 8 प्रकार के बिल्डर प्लॉट्स के आवंटन की प्रक्रिया शुरू की है उनमें म्यू (एमयू), ओमीक्रॉन-1ए, इटा-02, सिग्मा-3 सेक्टर 36 व सेक्टर 12 प्रमुख हैं। प्रक्रिया के अंतर्गत म्यू सेक्टर के प्लॉट नंबर जीएच-02ई (जिसका वर्ग क्षेत्र 18215 स्क्वेयर मीटर निर्धारित है) का रिजर्व्ड प्राइस 87.78 करोड़ रुपए रखा गया है। इसी प्रकार ओमीक्रॉन-1ए सेक्टर में प्लॉट जीएच-01/जीएच01ए (जो कि 30470.52 स्क्वेयर मीटर में फैला है) का रिजर्व्ड प्राइस 140.16 करोड़ रुपए निर्धारित की गई है।